एस.के.टी: ST-01

दिनांक: 18/09/2022

परीक्षण पुस्तिका अनुक्रम

A

परीक्षण पुस्तिका

सामान्य अध्ययन

प्रश्न-पत्र - I

ANSWER KEY									
1	(c)	**21**	(c)	**41**	(a)	**61**	(b)	**81**	(c)
2	(b)	**22**	(d)	**42**	(a)	**62**	(b)	**82**	(d)
3	(a)	**23**	(a)	**43**	(c)	**63**	(b)	**83**	(b)
4	(d)	**24**	(d)	**44**	(a)	**64**	(a)	**84**	(a)
5	(a)	**25**	(b)	**45**	(d)	**65**	(d)	**85**	(a)
6	(c)	**26**	(b)	**46**	(b)	**66**	(d)	**86**	(a)
7	(d)	**27**	(c)	**47**	(a)	**67**	(c)	**87**	(a)
8	(c)	**28**	(a)	**48**	(b)	**68**	(d)	**88**	(b)
9	(a)	**29**	(d)	**49**	(b)	**69**	(a)	**89**	(c)
10	(a)	**30**	(c)	**50**	(a)	**70**	(a)	**90**	(b)
11	(b)	**31**	(b)	**51**	(a)	**71**	(b)	**91**	(a)
12	(b)	**32**	(c)	**52**	(c)	**72**	(c)	**92**	(b)
13	(b)	**33**	(c)	**53**	(d)	**73**	(a)	**93**	(b)
14	(b)	**34**	(c)	**54**	(a)	**74**	(c)	**94**	(a)
15	(d)	**35**	(b)	**55**	(c)	**75**	(d)	**95**	(c)
16	(d)	**36**	(c)	**56**	(d)	**76**	(d)	**96**	(d)
17	(b)	**37**	(b)	**57**	(b)	**77**	(d)	**97**	(c)
18	(c)	**38**	(b)	**58**	(d)	**78**	(a)	**98**	(c)
19	(d)	**39**	(b)	**59**	(c)	**79**	(c)	**99**	(b)
20	(b)	**40**	(d)	**60**	(a)	**80**	(c)	**100**	(c)

Copyright @ Sanskriti IAS

परीक्षण पुस्तिका

सामान्य अध्ययन

प्रश्न-पत्र–I

A

उत्तर सहित व्याख्या

1. **उत्तर : (c)**

व्याख्या :

- मूल अधिकारों के अंतर्गत अनुछेद 19 से अनुच्छेद 22 तक स्वतंत्रता के अधिकार का प्रावधान किया गया है।
- अनुच्छेद 19 सभी नागरिकों को छह अधिकारों की गारंटी देता है, जो निम्नलिखित हैं:
  - ➤ वाक् और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार।
  - ➤ शांतिपूर्वक सम्मेलन में भाग लेने का अधिकार। (इस अधिकार में हड़ताल का अधिकार शामिल नहीं है)
  - ➤ संगम या संघ बनाने का अधिकार।
  - ➤ अबाध संचरण का अधिकार।
  - ➤ भारत के किसी भी क्षेत्र में निवास का अधिकार।
  - ➤ व्यवसाय आदि की स्वतंत्रता का अधिकार।
- व्यावसायिक विज्ञापन का अधिकार वाक् और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार में शामिल है।
- इस प्रकार, विकल्प (c) सही है।

2. **उत्तर : (b)**

व्याख्या :

राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) संसद द्वारा बाल अधिकार संरक्षण आयोग (CPCR) अधिनियम, 2005 के तहत 2007 में स्थापित एक वैधानिक निकाय है। अत: कथन 1 सही **नहीं** है।

- इसमें निम्नलिखित सदस्य होते हैं–
  - ➤ अध्यक्ष – प्रतिष्ठित व्यक्ति जिसके पास बाल कल्याण में काम करने का एक अनुकरणीय अनुभव हो। इसके अलावा अध्यक्ष के अतिरिक्त छह अन्य सदस्य भी शामिल रहते है जिनमें कम से कम दो महिला सदस्यों का होना आवश्यक है। अत: कथन 2 सही है।
- सदस्यों को निम्नलिखित क्षेत्रों का अनुभव होना चाहिये।
  - ➤ शिक्षा
  - ➤ बाल स्वास्थ्य, देखभाल, कल्याण या बाल विकासकर्ता
  - ➤ किशोर न्याय या उपेक्षित या हाशिये पर पड़े बच्चों या विकलांग बच्चों की देखभाल
  - ➤ बाल श्रम उन्मूलन
  - ➤ बाल मनोविज्ञान या समाजशास्त्र
  - ➤ बच्चों से संबंधित कानून
- इसमें एक बच्चे को 0 से 18 वर्ष की आयु के बीच के किसी व्यक्ति के रूप में परिभाषित किया गया है। अत: कथन 3 सही **नहीं** है।
- इस प्रकार, विकल्प (b) सही है।

3. **उत्तर : (a)**

व्याख्या :

- संविधान के भाग छह में अनुच्छेद 214 से 231 तक उच्च न्यायालय के गठन का प्रावधान किया गया है। संविधान में प्रत्येक राज्य के लिये एक उच्च न्यायालय की व्यवस्था की गई है। सातवें संशोधन अधिनियम 1956 के अनुसार दो या दो से अधिक राज्यों एवं संघ राज्य क्षेत्र के लिये एक साझा उच्च न्यायालय की स्थापना की जा सकती है।
- संसद एक उच्च न्यायालय के न्यायिक क्षेत्र का विस्तार, किसी संघ राज्य क्षेत्र में कर सकती है अथवा किसी संघ राज्य क्षेत्र को एक उच्च न्यायालय के न्यायिक क्षेत्र से बाहर कर सकती है। अत: कथन 1 सही है।
- उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा, भारत के मुख्य न्यायाधीश और संबंधित राज्य के राज्यपाल से परामर्श के बाद की जाती है (दो या अधिक राज्यों के साझा

Copyright @ Sanskriti IAS

उच्च न्यायालय के न्यायाधीश की नियुक्ति में राष्ट्रपति सभी संबंधित राज्यों के राज्यपालों से परामर्श करता है) तथा अन्य न्यायाधीशों की नियुक्ति भारत के मुख्य न्यायाधीश और संबंधित राज्य के राज्यपाल तथा उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के परामर्श से राष्ट्रपति द्वारा की जाती है। अत: कथन 2 सही **नहीं** है।

- उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश की तरह ही उच्च न्यायालय के न्यायाधीश को भी उसी प्रक्रिया और आधारों पर हटाया जा सकता है। संसद की सिफारिशों के आधार पर राष्ट्रपति के आदेश से इसे पद से हटाया जा सकता है। प्रस्ताव को विशेष बहुमत के साथ संसद के प्रत्येक सदन का समर्थन मिलना आवश्यक है। हटाने का आधार साबित कदाचार एवं अक्षमता हैं। अत: कथन 3 सही **नहीं** है।
- इस प्रकार, विकल्प (a) सही है।

4. उत्तर : (d)

व्याख्या :

- लोकतंत्र को जनता का, जनता द्वारा, जनता के लिये शासन के रूप में परिभाषित किया जाता है। लोकतंत्र के दो प्रकार होते है। प्रत्यक्ष लोकतंत्र एवं अप्रत्यक्ष लोकतंत्र। भीमराव आंबेडकर के अनुसार "लोकतंत्र का अर्थ एक ऐसी जीवन पद्धति से है जिसमें स्वतंत्रता, समता, और बंधुता जैसे सामाजिक जीवन के मूल सिद्धांत होते है।" समता का अर्थ बिना किसी भेदभाव के हर व्यक्ति को समान अवसर प्रदान करने से है।
- भारतीय संविधान में समानता और बंधुत्व के सिद्धांत राज्य के लोकतांत्रिक चरित्र के उदाहरण हैं। यही बात न्याय के संदर्भ में भी सत्य है।
- न्याय का भारतीय संविधान की प्रस्तावना में उल्लेख है, जिसे तीन भिन्न रूपों में देखा जा सकता है- सामाजिक न्याय, राजनीतिक न्याय व आर्थिक न्याय।
- सामाजिक न्याय से अभिप्राय है कि मानव-मानव के बीच जाति, वर्ण के आधार पर भेदभाव न माना जाए और प्रत्येक नागरिक को उन्नति के समुचित अवसर सुलभ हों।
- आर्थिक न्याय का अर्थ है कि उत्पादन एवं वितरण के साधनों का न्यायोचित वितरण हो और धन संपदा का केवल कुछ ही हाथों में संकेंद्रण ना हो जाए।
- राजनीतिक न्याय का अभिप्राय है कि राज्य के अंतर्गत समस्त नागरिकों को समान रूप से नागरिक और राजनीतिक अधिकार प्राप्त हो, चाहे वह राजनीतिक दफ्तरों में प्रवेश की बात हो अथवा अपनी बात सरकार तक पहुँचाने का अधिकार।
- गणतंत्र में राज्य प्रमुख हमेशा प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष तौर पर चुनकर आता है। गणतंत्र में राजनीतिक संप्रभुता जनता के हाथ में होती है। विशेषाधिकार प्राप्त वर्ग की अनुपस्थिति भी गणतंत्र का एक प्रमुख लक्षण है। इसलिये लोकतांत्रिक गणराज्य का सार कल्याणकारी राज्य है।
- भारतीय संविधान के अनुच्छेद 38 में राज्य द्वारा सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय सुनिश्चित कर आय, स्थिति, सुविधाओं तथा अवसरों में असमानताओं को कम करके सामाजिक व्यवस्था को सुरक्षित एवं संरक्षित कर लोगों के कल्याण को बढ़ावा देने के प्रयासों की चर्चा की गयी है। राज्य के नीति निदेशक तत्त्वों के अन्य प्रावधान जैसे बेरोजगारी, बुढ़ापा, बीमारी और विकलांगता के मामलों में कार्य करने, शिक्षा पाने और सार्वजनिक सहायता पाने का अधिकार सुरक्षित करना, सभी बच्चों को छह वर्ष की आयु पूरी करने तक प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा प्रदान करना, गरीबों को नि:शुल्क कानूनी सहायता प्रदान करना, कुछ ही व्यक्तियों के पास धन को संकेंद्रित होने से रोकना इत्यादि प्रावधान लोकतांत्रिक गणराज्य के घटक है।
- इस प्रकार, विकल्प (d) सही है।

5. उत्तर : (a)

व्याख्या :

- 'वाल्मीकि टाइगर रिज़र्व' बिहार में 150 गिद्ध देखे गए हैं, जिसने संरक्षित क्षेत्र में गिद्ध संरक्षण योजना को प्रेरित किया है। ये मुख्यत: उष्णकटिबंधीय तथा उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में निवास करते हैं। अत: कथन 2 सही **नहीं** हैं।
- गिद्ध को सफाई करने वाले जीव के रूप में जाना जाता है। ये पारिस्थितिकी तंत्र को स्वस्थ रखने का कार्य करते हैं। संक्रमित शव को खाने के बावजूद इनमें संक्रमण का खतरा नहीं होता है। उनके शरीर में उपस्थित अम्ल रोगजनक को समाप्त करने के लिये पर्याप्त शक्तिशाली होते हैं।
- गिद्ध घातक एंथ्रेक्स, हैजा, पैर व मुख से संबंधित रोग, रेबीज आदि उत्पन्न करने वाले हानिकारक रोगजनकों के प्रसार को अदृश्य रूप से नियंत्रित करते हैं। ये जंगलों में विशेष रूप से जल स्रोतों में होने वाले प्रदूषण को नियंत्रित करते हैं।

Copyright @ Sanskriti IAS

- भारत में गिद्धों की 9 प्रजातियाँ पाई जाती हैं, जिनमें ओरिएंटल व्हाइट- बैक्ड, लॉन्ग-बिल्ड, स्लेंडर-बिल्ड, हिमालयन, रेड-हेडेड, ईजेप्सियन, बीअर्ड, सिनेरियस तथा यूरेशियन ग्रिफॉन शामिल हैं। इनमें से अधिकांश प्रजातियों के विलुप्त होने का खतरा बना हुआ है।
- आई.यू.सी.एन. की लाल सूची में ओरिएंटल व्हाइट-बैक्ड, स्लेंडर-बिल्ड, लॉन्ग-बिल्ड, रेड-हेडेड को गंभीर रूप से संकटग्रस्त; ईजेप्सियन गिद्ध को संकटापन्न; हिमालयी, बीअर्ड, सिनेरियस को निकट संकटग्रस्त तथा भारतीय ग्रिफॉन को कम चिंतनीय की श्रेणी में रखा गया है। अत: कथन 1 सही है।
- इस प्रकार, विकल्प (a) सही है।

6. उत्तर : (c)

व्याख्या :

- देवगढ़ के दशावतार मंदिर का निर्माण लगभग 6वीं शताब्दी के आसपास कराया गया है। यह मंदिर एक विशेष शैली में निर्मित है इसलिये इसका महत्त्व काफी बढ़ जाता है।
- इसका निर्माण नागर शैली में किया गया है पर इसकी पंचभुजीय संरचना के कारण इसे पंचायतन शैली का मंदिर भी कहा जाता है। अत: कथन 1 सही है किंतु कथन 3 सही **नहीं** है।
- भारत में कुछ ही ऐसे मंदिर हैं जिनका मुख्य द्वार पश्चिम दिशा में है और देवगढ़ का दशावतार मंदिर उन्हीं में से एक है। अत: कथन 2 सही है।
- यह मंदिर मुख्यतय: भगवान विष्णु को समर्पित है परंतु इसकी दीवारों पर अन्य देवी देवताओं की मूर्तियाँ भी बनी हुई हैं। इसकी दीवारों पर शेषशायी विष्णु की मनोहर आकृति उत्कीर्ण है। अत: कथन 4 सही है।
- मंदिर के मुख्य प्रवेश द्वार के दाएँ तरफ यमुना व बाएँ तरफ गंगा की मूर्तियाँ हैं। इस मंदिर में भगवान विष्णु के कई अवतारों को बहुत ही बारीक कारीगरी के साथ मंदिर की दीवारों पर उकेरा गया है। इन अवतारों में शेषनाग, नर नारायण और गजेन्द्रमोक्ष आदि प्रमुख हैं।
- इस प्रकार, विकल्प (c) सही है

7. उत्तर : (d)

व्याख्या :

बाघ चित्रकला

- बाघ की गुफाओं का निर्माण लगभग 1600 वर्ष पूर्व किया गया था। यहाँ की कला में अजंता के समान केवल धार्मिक विषय ही नहीं, अपितु मानवोचित भावों के चित्रण में वेगपूर्ण प्रवाह भी है। ये गुफाएँ मध्य प्रदेश में धार जिले की कुकशी तहसील में स्थित विंध्य पर्वत श्रेणी में अवस्थित हैं। बाघ की गुफाओं में बौद्ध धर्म के चित्र बहुतायत में मिलते हैं। अत: कथन 1 सही है।

सित्तनवासल चित्रकला

- अजंता, बाघ और बादामी चित्रकलाएँ उत्तर तथा दक्षिण की शास्त्रीय परंपरा का उत्तम रूप से प्रतिनिधित्व करती हैं। सित्तनवासल की चित्रकलाएँ जैन विषयों और प्रतीक प्रयोग से घनिष्ठ रूप से संबद्ध हैं। यह तमिलनाडु के पुदुक्कोट्टई शहर के उत्तर-पश्चिम में स्थित चट्टानों को काटकर बनाई गई हैं। अत: कथन 2 सही है।
- इनकी रूपरेखाओं को हल्की लाल पृष्ठभूमि पर गाढ़े रंग से चित्रित किया गया है। बरामदे की छत पर महान सौन्दर्य, पक्षियों सहित कमल के पुष्प, तालाब, हाथियों, भैंसो और फूल तोड़ते हुए एक युवक के विशाल सजावटी दृश्य को चित्रित किया गया है।

लेपाक्षी चित्रकला

- लेपाक्षी चित्रकला आंध्र प्रदेश के अनंतपुर जिले में स्थित है। इसे 16वीं शताब्दी में लेपाक्षी में वीरभद्र मंदिर की दीवारों पर बनाया गया था। इसे विजयनगर काल के दौरान बनाया गया था। लेपाक्षी चित्रकला रामायण, महाभारत और विष्णु के अवतारों के आधार पर एक धार्मिक विषय का पालन करती हैं। इस मंदिर में शूकर के शिकार का एक चित्र प्राप्त होता है, जो द्वि-आयामी चित्रकला का उदाहरण प्रस्तुत करता है। इन चित्रों में प्राथमिक रंगों का उपयोग नहीं किया गया है। अत: कथन 3 सही है।
- इस प्रकार, विकल्प (d) सही है।

8. उत्तर : (c)

व्याख्या :

दिंडी नृत्य

दिंडी नृत्य महाराष्ट्र का आध्यात्मिक लोक नृत्य है। यह मराठवाड़ा क्षेत्र में काफी लोकप्रिय है। यह एकादशी के दिन होता है। यह नृत्य मुख्य रूप से कार्तिक मास की एकादशी को किया जाता है। इसकी मुख्य विशेषताएँ निम्नलिखित हैं-

Copyright @ Sanskriti IAS

1. यह एक प्रकार का जुलूस होता है, जिसमें अनेक लोग भाग लेते हैं।
2. नृत्य में भगवान श्रीकृष्ण की बाल-लीलाओं को दर्शाया जाता है।
3. इस नृत्य में एक गायक और एक पखावज बजाने वाला होता है, जिसकी थाप पर नर्तक थिरकते हैं। अत: युग्म 1 सही सुमेलित **नहीं** है।

नोंगक्रेम नृत्य

- नोंगक्रेम नृत्य महोत्सव भारत के उत्तर पूर्वी क्षेत्र में स्थित मेघालय राज्य में मनाया जाने वाला एक लोकप्रिय धार्मिक त्योहार है। यह नवंबर के महीने में मनाया जाता है। सर्द मौसम के दौरान यह लगभग पाँच दिनों तक रहता है, जो देवी बंसी सिंसार को अच्छी फसल और लोगों की समृद्धि के लिये खुश करने के लिये समर्पित है। यह खासी पहाड़ियों के निवासियों के लिये सबसे लोकप्रिय त्योहार है। नोंगक्रेम नृत्य उत्सव में अनोखी वेशभूषा में सजे अविवाहित पुरुषों और महिलाओं द्वारा नृत्य किया जाता है। जिसमें पुरुषों का नृत्य स्वाभाविक रूप से अधिक जोरदार और ऊर्जावान होता है। अत: युग्म 2 सही सुमेलित है।

बागुरुंबा नृत्य

- बागुरुंबा नृत्य असम के बोडो समाज द्वारा किया जाता है। इस नृत्य को बटरफ्लाई डांस और बर्दविशिका नृत्य भी कहा जाता है। बागुरुंबा नृत्य में उच्च संरचनाओं के साथ तुलनात्मक रूप से धीमे कदम हैं जो दर्शकों को अभिभूत करते हैं। यह नृत्य विशेष रूप से बिशुबा संक्रांति के मौसम के दौरान अप्रैल के मध्य में किया जाता है। नर्तकों द्वारा किये जाने वाले स्वरूपों में तितली और पक्षी होते हैं। अत: युग्म 3 सही सुमेलित **नहीं** है।
- इस प्रकार, विकल्प (c) सही है।

9. उत्तर : (a)

व्याख्या :

- वर्ष 1918 में राज्य सचिव एडविन सेमुअल मॉण्टेग्यू और वायसराय लॉर्ड चेम्सफोर्ड ने संवैधानिक सुधारों की अपनी योजना तैयार की, जिसे मॉण्टेग्यू-चेम्सफोर्ड सुधार के रूप में जाना जाता है। इन सुधारों को 1919 के भारत शासन अधिनियम के रूप में पारित किया गया। इसका उद्देश्य शासन में भारतीयों का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करना था। अधिनियम ने केंद्र के साथ-साथ प्रांतीय स्तरों पर शासन में सुधारों की शुरुआत की। अत: कथन 1 सही है।
- इसमें वायसराय की कार्यकारी परिषद में आठ सदस्यों को शामिल करने का प्रावधान किया गया जिसमें तीन भारतीय सदस्यों को शामिल करना था। इसके अलावा लोक सेवा आयोग का गठन करना, केंद्रीय बजट को राज्यों के बजट से अलग करना, वैधानिक आयोग का गठन, संपत्ति, कर या शिक्षा के आधार पर सीमित संख्या में लोगों को मताधिकार प्रदान इत्यादि इसके मुख्य प्रावधान थे।
- वायसराय की कार्यकारिणी में सर्वप्रथम भारतीय सदस्य की नियुक्ति का प्रावधान 1909 के अधिनियम द्वारा किया गया। सत्येंद्र प्रसाद सिन्हा पहले भारतीय थे जिन्हें वायसराय की कार्यकारिणी में सदस्य नियुक्त किया गया। अत: कथन 2 सही **नहीं** है।
- इस प्रकार, विकल्प (a) सही है।

10. उत्तर : (a)

व्याख्या :

- सीखो और कमाओ योजना 14-35 वर्ष आयु वर्ग के अल्पसंख्यक युवाओं के लिये कौशल विकास योजना है। इसका लक्ष्य मौजूदा श्रमिकों, स्कूल छोड़ने वालों आदि की रोजगारपरकता को बेहतर बनाकर उनके लिये रोजगार का सृजन तथा अवसर प्रदान करना है। अत: कथन 1 और 2 सही हैं।
- इस योजना का उद्देश्य विभिन्न आधुनिक/परंपरागत व्यवसायों में संलग्न अल्पसंख्यक युवाओं के कौशल का उनकी शैक्षणिक अर्हता, वर्तमान आर्थिक रुझान तथा बाजार संभाव्यता के आधार पर उन्ननयन करना है, जिससे उन्हें उचित रोजगार व स्वरोजगार के लिये कुशल बनाया जा सके। साथ ही, देश के लिये कुशल मानव संसाधन तैयार किया जा सके।
- यह योजना 75% प्लेसमेंट/स्थानन सुनिश्चित करती है, जिसमें से 50% संगठित क्षेत्र में होंगे। योजना दिशानिर्देशों के अनुसार कार्यान्वयन करने वाले संगठनों को प्लेसमेंट सेवाओं के साथ संबंध स्थापित करने की आवश्यकता होगी। अत: कथन 3 सही **नहीं** है।
- इस रोजगारोन्मुखी योजना के तहत पदस्थापित प्रशिक्षुओं को प्लेसमेंट सहायता के रूप में दो माह के लिये 2000 रुपए प्रति माह की पोस्ट प्लेसमेंट सहायता प्रदान की जाती है। पिछले 7 वर्षों में इस योजना से लगभग 3.92 लाख व्यक्ति लाभान्वित हुए हैं।
- इस प्रकार, विकल्प (a) सही है।

Copyright @ Sanskriti IAS

11. उत्तर : (b)

व्याख्या :

- हवाओं का परिवर्तनशील और अस्थिर चक्र, जिसके केंद्र में निम्न वायुदाब तथा बाहर उच्च वायुदाब होता है, 'चक्रवात' कहलाता है। चक्रवात सामान्यत: निम्न वायुदाब का केंद्र होता है, इसके चारों ओर समवायुदाब रेखाएँ संकेंद्रित रहती हैं तथा परिधि या बाहर की ओर उच्च वायुदाब रहता है, जिसके कारण हवाएँ चक्रीय गति से परिधि से केंद्र की ओर चलने लगती हैं। पृथ्वी के घूर्णन के कारण इनकी दिशा उत्तरी गोलार्द्ध में घड़ी की सुइयों के चलने की दिशा के विपरीत (वामावर्त) तथा दक्षिणी गोलार्द्ध में घड़ी की सुइयों की दिशा (दक्षिणावर्त) में होती है।
- शीतोष्ण कटिबंधीय चक्रवातों की उत्पत्ति तथा प्रभाव क्षेत्र शीतोष्ण कटिबंध अर्थात् मध्य अक्षांशों में होता है। ये चक्रवात उत्तरी गोलार्द्ध में केवल शीत ऋतु में उत्पन्न होते हैं, जबकि दक्षिणी गोलार्द्ध में जलीय भाग के अधिक होने के कारण ये वर्ष भर उत्पन्न होते रहते हैं।
- ये चक्रवात अंडाकार, गोलाकार, अर्द्ध-गोलाकार तथा 'V' आकार के होते हैं, जिस कारण इन्हें 'निम्न गर्त' या 'ट्रफ'कहते हैं।
- ये चक्रवात दोनों गोलार्द्धों में 35° से 65° अक्षांशों के मध्य पाए जाते हैं। इनकी गति पछुआ पवनों के कारण प्राय: पश्चिम से पूर्व दिशा की ओर रहती है। ये शीत ऋतु में अधिक विकसित होते हैं। अत: कथन 1 सही **नहीं** है एवं कथन 2 सही है।
- शीतोष्ण कटिबंधीय चक्रवातों के मुख्य क्षेत्र-उत्तरी अटलांटिक महासागर, भूमध्य सागर, उत्तरी प्रशांत महासागर, चीन सागर हैं।
- इस प्रकार, विकल्प (b) सही है।

12. उत्तर : (b)

व्याख्या :

- शुष्क पर्णपाती वन, देश के उन विस्तृत भागों में मिलते है जहाँ वर्षा 70 से 100 सेंटीमीटर होती है। आर्द्र क्षेत्रों की और ये वन आर्द्र पर्णपाती और शुष्क क्षेत्रों की ओर कांटेदार वनों में मिल जाते है। अधिक वर्षा वाले प्रायद्वीप पठार और उत्तर भारत के मैदानों में ये वन पार्कनुमा भुदृश्य बनाते है। शुष्क ऋतु शुरू होते ही इनके पत्ते झड़ जाते हैं। तेंदू, पलास, अमलतास, बेल, खैर इनके मुख्य वृक्ष हैं।
- इस प्रकार, विकल्प (b) सही है।

13. उत्तर : (b)

व्याख्या :

- इरामला पर्वत श्रेणी दक्षिण भारत में पश्चिमी आंध्र प्रदेश राज्य में स्थित है। ये पहाड़ियाँ दक्कन के पठार पर स्थित हैं और लगभग 54 से लेकर 50.5 करोड़ वर्ष पूर्व कैब्रियन काल की स्लेटी पत्थरों तथा स्फटिक (क्वार्टजाइट) चट्टानों से बनी हैं। अत: युग्म 1 सही सुमेलित **नहीं** है।
- बालाघाट पर्वत श्रेणी पश्चिमी भारत के पश्चिमी महाराष्ट्र राज्य की पहाड़ियों की श्रृंखला है। पश्चिमी घाट में हरिशचंद्र श्रेणी से निकलते हुये यह पर्वतमाला दक्षिण-पूर्व की ओर 320 किमी तक महाराष्ट्र कर्नाटक राज्यों की सीमा तक फैली हुई हैं। इसकी चौड़ाई पाँच से नौ किमी. के बीच हैं। पश्चिम में अधिक ऊँची बालाघाट पहाड़ियों की ऊँचाई 550-825 मीटर हैं, जो पूर्व की ओर कम होते हुये भीमा नदी में समाप्त हो जाती हैं। अत: युग्म 2 सही सुमेलित **नहीं** है।
- शेवराय पहाड़ियाँ तमिलनाडु राज्य के सलेम जिले में अवस्थित हैं। यह लगभग 50 वर्ग किमी. क्षेत्र में विस्तृत हैं। यह पूर्वी घाट का भाग है। समुद्र तल से इसकी ऊँचाई 4000-5000 फीट तक है। 'यारकॉड' जो तमिलनाडु राज्य का प्रसिद्ध हिल स्टेशन है, यहीं पर अवस्थित है। अत: युग्म 3 सही सुमेलित है।
- गढ़जात पहाड़ियाँ झारखण्ड के छोटानागपुर से ओडिशा के उत्कल के मैदान तक फैली पहाड़ी श्रृंखला को कहा जाता है। इन्हें "ओडिशा की उच्च भूमि" के नाम से भी जाना जाता है। अत: युग्म 4 सही सुमेलित है।
- इस प्रकार, विकल्प (b) सही है।

14. उत्तर : (b)

व्याख्या :

ब्रह्मपुत्र नदी तंत्र :

- ब्रह्मपुत्र नदी की कुल लंबाई 2900 किमी. है। भारत मे इसकी लम्बाई 916 किमी. है। चीन में ये सांगपो नदी के नाम से जानी जाती है।
- यह नदी मानसरोवर झील के पास चीमायुंगदुंग हिमानी (तिब्बत) से निकलती है। नामचा बरबा पर्वत के निकट अरुणाचल प्रदेश में प्रवेश करती है तब इसका नाम दिहांग होता है। इसके बाद दिबांग और लोहित नदी से मिलकर ब्रह्मपुत्र के रूप में यह असम में प्रवेश करती है।

Copyright @ Sanskriti IAS

- बांग्लादेश में इस नदी को जमुना के नाम से जाना जाता है। बांग्लादेश में इसमे तीस्ता नदी मिल जाती है इसके बाद यह पदमा (गंगा नदी) में मिल जाती है।

इसकी सहायक नदियाँ

- दायीं ओर से- सुबनसिरी, मानस, दिहांग, तीस्ता
- बायीं ओर से- लोहित, धनश्री, दिबांग
- इस प्रकार, विकल्प (b) सही है।

15. उत्तर : (d)

व्याख्या :

- 'प्रिज़्म' का पूरा नाम 'व्यक्ति, स्टार्ट-अप और एम.एस.एम.ई. में नवाचार संवर्द्धन' (Promoting Innovations in Individuals, Start-ups and MSMEs-PRISM) है।
- इसका उद्देश्य समाज के लिये कार्यरत योग्य और व्यावसायिक रूप से व्यवहार्य नवाचारों का प्रोत्साहन, समर्थन और वित्तपोषण करके व्यक्तिगत नवोन्मेषकों (Innovators) को एक सफल तकनीकी उद्यमकर्ता (Technopreneur) बनाना है। अत: कथन 1 सही **नहीं** है।
- यह नवाचार को बढ़ावा देने के लिये वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की एक पहल है। अत: कथन 2 सही **नहीं** है।
- इस पहल के अंतर्गत भारतीय विद्यार्थियों, पेशेवरों और आम नागरिकों को डी.एस.आई.आर. द्वारा तकनीकी, रणनीतिक एवं वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है, ताकि वैचारिक विकास, प्रोटोटाइप विकास, पायलट स्केलिंग (छोटे पैमाने पर एक प्रारंभिक अध्ययन) और पेटेंट को बढ़ाया जा सके। इसके अंतर्गत अनुदान दो चरणों में दिया जाता है।
- इस प्रकार, विकल्प (d) सही है

16. उत्तर : (d)

व्याख्या :

भारत की पहली स्वदेशी रूप से विकसित हाइड्रोजन ईंधन सेल बस को वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (CSIR) तथा केपीआईटी टेक्नोलॉजी लिमिटेड द्वारा विकसित किया गया है। अत: कथन 1 सही **नहीं** है।

हाइड्रोजन ईंधन सेल के लाभ

- ईंधन सेल बस के लिये बिजली उत्पन्न करने हेतु हाइड्रोजन और वायु का उपयोग करता है तथा बस से निकलने वाला एकमात्र अपशिष्ट पानी है। इस प्रकार यह संभवत: परिवहन का सबसे पर्यावरण अनुकूल साधन है। ईंधन सेल वाहनों की उच्च दक्षता डीजल चालित वाहनों की तुलना में प्रति किलोमीटर कम परिचालन लागत सुनिश्चित करती है। अत: कथन 2 सही **नहीं** है।
- इस प्रकार, विकल्प (d) सही है।

17. उत्तर : (b)

व्याख्या :

पारिस्थितिक तंत्र शब्द का प्रयोग सर्वप्रथम ए.जी. टान्सले द्वारा 1935 में किया गया। टान्सले के अनुसार - पारिस्थितिकी तंत्र भौतिक तंत्रों का एक विशेष प्रकार होता है, इसकी रचना जैविक तथा अजैविक संघटकों से होती है, यह अपेक्षाकृत स्थिर समस्थिति में होता है, यह खुला तंत्र होता है तथा विभिन्न प्रकार का हो सकता है। सामान्यत: जीवमण्डल के सभी संघटकों के समूह जो पारस्परिक क्रिया में सम्मिलित होते हैं, उसको पारिस्थितिकी तंत्र कहते हैं।

पारिस्थितिकी तंत्र की विशेषताएँ-

- पारिस्थितिकी तंत्र एक खुला तंत्र है जिसमें पदार्थों तथा ऊर्जा का निरंतर आवागमन होता है।
- यह विविध प्रकार की ऊर्जा द्वारा संचालित होता है, किंतु सौर ऊर्जा सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण होती है। गहरे समुद्री जलीय पारितंत्र को छोड़कर सभी पारितंत्र के लिये सौर ऊर्जा सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण घटक होता है। अत: कथन 1 सही **नहीं** है।
- स्थलीय पारिस्थितिक तंत्र में अपरद खाद्य शृंखला द्वारा चारण खाद्य शृंखला की तुलना में अधिक ऊर्जा प्रवाहित होती है। अत: कथन 2 सही है।
- इस प्रकार, विकल्प (b) सही है।

18. उत्तर : (c)

व्याख्या :

- ब्लू कार्बन वनस्पति, समुद्री जीवों और तलछटों द्वारा प्रगृहीत तटीय, जलीय और समुद्री कार्बन सिंक को संदर्भित करता है। मैंग्रोव, ज्वारीय दलदल और समुद्री घास के मैदानों के तटीय पारिस्थितिक तंत्र में सदियों से वनस्पति और विभिन्न प्राकृतिक प्रक्रियाओं द्वारा जमा कार्बन के बड़े भंडार हैं।

Copyright @ Sanskriti IAS

- ये पारिस्थितिक तंत्र स्थलीय वनों की तुलना में अधिक कार्बन-जिसे अक्सर 'ब्लू कार्बन' के रूप में संदर्भित किया जाता है-प्रति इकाई क्षेत्र में अनुक्रमित और संग्रहीत करता है। वातावरण से कार्बन डाइऑक्साइड (CO_2) को हटाने के लिये इन वनस्पति पारिस्थितिक तंत्रों की क्षमता उन्हें महत्त्वपूर्ण शुद्ध कार्बन सिंक बनाती है, और अब उन्हें जलवायु परिवर्तन को कम करने में उनकी भूमिका के लिये पहचाना जा रहा है।
- इस प्रकार, विकल्प (c) सही है।

19. उत्तर : (d)

व्याख्या :

कोल गैसीकरण

- कोयला गैसीकरण एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें ईंधन गैस का उत्पादन करने के लिये कोयले को हवा, ऑक्सीजन, भाप या कार्बन डाइऑक्साइड द्वारा नियंत्रित परिस्थितियों में आंशिक रूप से ऑक्सीकृत किया जाता है।
- **कोयला गैसीकरण प्रक्रिया:** इसमें 5 चरण- गैसीकरण, शीतलन तथा सफाई, स्थानांतरण, शुद्धिकरण एवं उपयोग सम्मिलित होते हैं।

भारत में कोल गैसीकरण

- 2020 में, कोयला मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि भारत का लक्ष्य 2030 तक 100 मिलियन टन (एम.टी.) कोयला गैसीकरण करना है, जिसमें 4 लाख करोड़ रुपए से अधिक का निवेश होगा। अत: कथन 3 सही है।
- यह सिनगैस (Syngas) को उत्पन्न करता है जो मुख्य रूप से मीथेन (CH4), कार्बन मोनोऑक्साइड (CO), हाइड्रोजन (H_2), कार्बन डाइऑक्साइड (CO_2) और जल वाष्प (H_2O) का मिश्रण है। अत: कथन 1 सही है।

कोल गैसीकरण क्यों आवश्यक है?

- भारत ने पेरिस समझौते (COP 21), 2015 का हस्ताक्षरकर्ता होने के नाते तीन मात्रात्मक जलवायु परिवर्तन लक्ष्यों को अपने राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान (नेशनली डिटरमाइंड कंट्रीब्यूशन/एनडीसी) के रूप में घोषित किया है।
- 2005 के स्तर से 2030 तक सकल घरेलू उत्पाद (जी.डी.पी.) की उत्सर्जन तीव्रता में 33 से 35 प्रतिशत की कमी।
- 2030 तक गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित ऊर्जा संसाधनों से लगभग 40 प्रतिशत संचयी विद्युत शक्ति स्थापित क्षमता हासिल करना।
- 2030 तक अतिरिक्त वृक्ष एवं वन आवरण के माध्यम से 5 से 3 बिलियन टन कार्बन डाइऑक्साइड के समतुल्य अतिरिक्त कार्बन सिंक निर्मित करना। अत: स्पष्ट है कि कोयला गैसीकरण COP-21 के लक्ष्यों को पूरा करने में सहायक है। अत: कथन 2 सही है।
- इस प्रकार, विकल्प (d) सही है।

20. उत्तर : (b)

व्याख्या :

- वित्तीय समावेशन की सीमा को अधिकृत करने के लिये भारतीय रिज़र्व बैंक ने एक समग्र वित्तीय समावेशन सूचकांक (FI-Index) तैयार किया है। इसकी घोषणा वर्ष 2021-2022 के लिये पहले द्वि-मासिक मौद्रिक नीति वक्तव्य में की गई थी। इस सूचकांक को प्रत्येक वर्ष जुलाई में प्रकाशित किया जाएगा। अत: कथन 1 सही **नहीं** है।
- यह सूचकांक 0-100 के मध्य एकल मान के माध्यम से वित्तीय समावेशन के पहलुओं की जानकारी प्रदान प्राप्त करता है, जिसके अनुसार 0 पूर्ण वित्तीय बहिष्करण तथा 100 पूर्ण वित्तीय समावेशन को दर्शाता है।
- इसे तीन व्यापक पैरामीटर अभिगम (35%), उपयोग (45%) तथा गुणवत्ता (20%) के आधार पर तैयार किया गया है, जिनमें से प्रत्येक में कई संकेतकों के आधार पर गणना किये गए आयाम शामिल हैं। अत: कथन 2 सही है।
- सूचकांक का निर्माण बिना किसी 'आधार वर्ष' के किया गया है, जिससे यह वित्तीय समावेशन की दिशा में सभी हितधारकों के वर्षों के संचयी प्रयासों को दर्शाता है। अत: कथन 3 सही **नहीं** है।
- इस प्रकार, विकल्प (b) सही है।

21. उत्तर : (c)

व्याख्या :

- **लोक प्रतिनिधित्व:** लोक सभा के सदस्य प्रत्यक्ष रूप से जनता द्वारा चुने जाते हैं। सर्वाधिक मत प्राप्त करने वाला व्यक्ति लोक सभा का सदस्य बनता है।
- **बहुमत प्राप्त दल का शासन:** आम (लोक सभा) चुनाव में सर्वाधिक सीटों पर जीत दर्ज करने वाला राजनीतिक दल सरकार बनाता है। भारत में राष्ट्रपति, लोक सभा में बहुमत प्राप्त दल के नेता को सरकार बनाने के लिये आमंत्रित करते हैं। राष्ट्रपति

Copyright @ Sanskriti IAS

बहुमत प्राप्त राजनीतिक दल के नेता को प्रधानमंत्री के रूप में नियुक्त करते हैं और शेष मंत्रियों की नियुक्ति राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री की सलाह पर करते हैं।

- **लोकसभा के प्रति सामूहिक उत्तरदायित्व:** अनुच्छेद 75 के अनुसार मंत्रिपरिषद सामूहिक रूप से लोक सभा के प्रति उत्तरदायी होती है। संसद का निम्न सदन अविश्वास प्रस्ताव पारित कर सरकार को बर्खास्त कर सकता है। कार्यपालिका के स्थायित्व पर बल इसकी विशेषता नहीं है।
- अध्यक्षात्मक शासन प्रणाली में कार्यपालिका अपनी नीतियों एवं कार्यों के लिये विधायिका के प्रति उत्तरदायी नहीं होती है, परिणामस्वरूप कार्यपालिका निर्धारित समय तक अपना कार्य करती है। इसमें कार्यपालिका के स्थायित्व पर बल दिया जाता है।
- **केंद्रीय नेतृत्व:** संसदीय शासन प्रणाली में प्रधानमंत्री वास्तविक कार्यकारी होते हैं। वे मंत्रिपरिषद के प्रमुख होते हैं।
- **दोहरी सदस्यता:** मंत्रिपरिषद के सदस्य विधायिका व कार्यपालिका दोनों के सदस्य होते हैं।
- इस प्रकार, विकल्प (c) सही है।

22. उत्तर : (d)

व्याख्या :

- 42वें संविधान संशोधन 1976 के द्वारा संविधान में भाग 4 (क) जोड़कर अनुच्छेद 51 (क) के अंतर्गत मौलिक कर्तव्यों का प्रावधान किया गया है। इनमें से कुछ प्रमुख मौलिक कर्तव्य निम्नलिखित हैं-
  - ➤ भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता की रक्षा करना तथा उसे अक्षुण्ण रखना।
  - ➤ प्राकृतिक पर्यावरण की रक्षा एवं सुधार तथा जीव जंतुओं के प्रति दया भाव रखना।
  - ➤ वैज्ञानिक दृष्टिकोण से मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करना।
  - ➤ सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा करें और हिंसा का परित्याग करना।
  - ➤ छह से चौदह वर्ष की आयु के बीच के अपने बच्चे बच्चों को शिक्षा के अवसर प्रदान करना (इसे 86वें संविधान संशोधन अधिनियम, 2002 द्वारा जोड़ा गया)।
- भारतीय संविधान के अनुछेद 47 के अनुसार लोगों के पोषण स्तर और जीवन स्तर को ऊपर उठाना और सार्वजनिक स्वास्थ्य में सुधार करना राज्य के नीति निदेशक तत्त्वों में शामिल है।
- इस प्रकार, विकल्प (d) सही है।

23. उत्तर : (a)

व्याख्या :

52वें संशोधन अधिनियम 1985 के माध्यम से संविधान में दसवीं अनुसूची शामिल की गई। इसमें किसी सदस्य की निरर्हरता के प्रमुख आधार निम्नलिखित हैं-

दलबदल के आधार पर निरर्हता का आधार:

- यदि कोई निर्दलीय निर्वाचित सदस्य किसी राजनीतिक दल में शामिल हो जाता है। अत: कथन 1 सही है।
- यदि एक निर्वाचित सदस्य स्वेच्छा से किसी राजनीतिक दल की सदस्यता त्याग देता है। अत: कथन 2 सही है।
- यदि वह पूर्व अनुमति प्राप्त किये बिना अपने राजनीतिक दल या ऐसा करने के लिये अधिकृत किसी व्यक्ति द्वारा जारी किसी भी निर्देश के विपरीत सदन में मतदान करता है या मतदान से दूर रहता है।
- यदि छह महीने की समाप्ति के बाद कोई मनोनीत सदस्य किसी राजनीतिक दल में शामिल हो जाता है। अत: कथन 3 सही **नहीं** है।
- इस प्रकार, विकल्प (a) सही है।

24. उत्तर : (d)

व्याख्या :

संविधान के अनुच्छेद 112 (3) के अनुसार भारत की संचित निधि पर भारित प्रमुख व्यय निम्नलिखित हैं-

भारत की संचित निधि पर भारित व्यय

- राज्य सभा के सभापति और उपसभापति के तथा लोक सभा के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के वेतन और भत्ते।
- उच्च न्यायालय के न्यायाधीश की केवल पेंशन भारत की संचित निधि पर भारित होती है जबकि वेतन भत्ते राज्य की संचित निधि से दिये जाते हैं। अत: कथन 4 सही **नहीं** है।
- भारत के नियंत्रक महा-लेखापरीक्षक के वेतन, भत्ते और पेंशन। अत: कथन 1 सही है।

Copyright @ Sanskriti IAS

- संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष और सदस्यों के वेतन, भत्ते एवं पेंशन। अत: कथन 2 सही है।
- भारत के महान्यायवादी को राष्ट्रपति द्वारा निर्धारित पारिश्रमिक मिलता है। अत: कथन 3 सही **नहीं** है।
- इस प्रकार, विकल्प (d) सही है।

25. उत्तर : (b)

व्याख्या :

- राष्ट्रीय जलविद्युत निगम (NHPC) लिमिटेड ने अपने 180 मेगावाट क्षमता वाले बैरा सिउल पावर स्टेशन का स्वदेशी रूप से नवीनीकरण तथा आधुनिकीकरण कर इसका पुन: वाणिज्यिक संचालन शुरू किया है। यह परियोजना हिमाचल प्रदेश के चंबा में है। यह एन.एच.पी.सी. का पहला पावर स्टेशन है, जो 1 अप्रैल 1982 से वाणिज्यिक संचालन का कार्य कर रहा है।
- इस प्रकार, विकल्प (b) सही है।

26. उत्तर : (b)

व्याख्या :

- **कालाराम मंदिर सत्याग्रह:** इसे 2 मार्च, 1930 को भीमराव आंबेडकर द्वारा अछूतों के मंदिर प्रवेश के लिये चलाया गया था। यह सत्याग्रह नासिक के कालाराम मंदिर में हुआ था। इसमें करीब 15 हजार दलित लोग शामिल हुए थे, जिनमें ज्यादातर महार समुदाय के थे। इसमें महिलाओं की व्यापक भागीदारी थी। अत: युग्म 1 सही सुमेलित **नहीं** है।
- **एझवा आंदोलन:** यह नारायण गुरु के नेतृत्व में प्रारंभ किया गया। यह केरल की एझवा जाति द्वारा शुरू किया गया आंदोलन था। इस जाति के सदस्यों के मंदिरों एवं सार्वजनिक जगहों में प्रवेश की मांग को लेकर यह आंदोलन आरंभ हुआ। 1920 में इसका संबंध गांधीवादी राष्ट्रीय आंदोलन से स्थापित हुआ तथा कालांतर में इन्होंने साम्यवादियों का प्रबल समर्थन किया। अत: युग्म 3 सही सुमेलित **नहीं** है।
- **जस्टिस आंदोलन:** 1916 ई. में मद्रास के गैर-ब्राह्मण नेताओं, जैसे- टी.एम. नायर, पी. त्यागराज चेट्टियार और सी.एन. मुदलियार ने दक्षिण भारतीय उदारवादी महासंघ की स्थापना की। इस संघ ने "जस्टिस" नामक समाचार-पत्र का प्रकाशन आरंभ किया। इसी पत्र की लोकप्रियता के नाम पर इसका नाम "जस्टिस पार्टी" पड़ा। यह आंदोलन भी मुख्य रूप से गैर-ब्राह्मणों पर केन्द्रित था, लेकिन यह उच्च जाति के समृद्ध भूस्वामियों तथा व्यापारियों तक ही सीमित था, जिन्होंने शिक्षा, सेना एवं राजनीति के स्तर पर ब्राह्मणों के वर्चस्व का पुरजोर विरोध किया। सरकारी नौकरियों में गैर-ब्राह्मणों के लिये आरक्षण की मांग भी इस आंदोलन का महत्त्वपूर्ण कदम था। अत: युग्म 2 सही सुमेलित है।
- इस प्रकार, विकल्प (b) सही है।

27. उत्तर : (c)

व्याख्या :

व्यक्तिगत सत्याग्रह

अगस्त प्रस्ताव के बाद कॉन्ग्रेस संशय की अवस्था में थी। उग्रवादी और वामपंथी सामूहिक नागरिक अवज्ञा आंदोलन शुरू करना चाहते थे। लेकिन गांधीजी ने व्यक्तिगत सत्याग्रह पर जोर दिया। व्यक्तिगत सत्याग्रह स्वतंत्रता हेतु नहीं बल्कि अभिव्यक्ति के अधिकार को सुनिश्चित करने हेतु था। 'व्यक्तिगत सत्याग्रह' का अर्थ यह है कि सामूहिक आंदोलन न करके व्यक्तिगत रूप से सरकार की नीतियों के खिलाफ सत्याग्रह किया जाना। अत: कथन 1 सही है।

व्यक्तिगत सत्याग्रह अहिंसा आधारित था। व्यक्तिगत सत्याग्रह के दोहरे उद्देश्य थे-

1. भारतीय जनता की सुदृढ़ राजनीतिक भावना को अभिव्यक्ति प्रदान करना।
2. ब्रिटिश सरकार को भारतीय मांगों को शांतिपूर्वक मानने हेतु एक और अवसर प्रदान करना।

- इसके अलावा जनता को गतिशील बनाना और कॉन्ग्रेस की छवि को सुधारना तथा संपूर्ण देश की जनता एवं विभिन्न लोगों को एकत्रित करना भी इसका उद्देश्य था।
- व्यक्तिगत सत्याग्रह 17 अक्तूबर, 1940 को प्रारंभ हुआ। पहले व्यक्तिगत सत्याग्रही के रूप में विनोबा भावे को चुना गया। उन्होंने महाराष्ट्र के पवनार आश्रम से इसकी शुरुआत की। अत: कथन 2 सही है।
- इस प्रकार, विकल्प (c) सही है।

Copyright @ Sanskriti IAS

28. उत्तर : (a)

व्याख्या :

- स्वदेशमित्रम् एक तमिल भाषा का समाचार पत्र था जो वर्ष 1882 से 1985 तक तत्कालीन मद्रास शहर से प्रकाशित हुआ था। यह सबसे शुरुआती तमिल अखबारों में से एक था। इसकी स्थापना भारतीय राष्ट्रवादी जी. सुब्रमण्यम अय्यर द्वारा 'द हिंदू' की शुरुआत के चार साल बाद की गई थी। अत: युग्म 1 सही सुमेलित है।
- अमृत बाजार पत्रिका बांग्ला भाषा का प्रमुख समाचार पत्र है। इसकी गणना भारत के सबसे पुराने समाचार पत्रों में होती है। इसकी स्थापना शिशिर कुमार घोष और मोतीलाल घोष ने की थी। अत: युग्म 2 सही सुमेलित **नहीं** है।
- द हितवाद गोपाल कृष्ण गोखले से संबंधित था। अत: युग्म 4 सही सुमेलित **नहीं** है।
- एडवोकेट ऑफ इंडिया दादा भाई नौरोजी द्वारा संपादित पत्रिका थी। अत: युग्म 3 सही सुमेलित **नहीं** है।
- इस प्रकार, विकल्प (a) सही है।

29. उत्तर : (d)

व्याख्या :

- नरेन्द्र मंडल का संबंध अधीनस्थ संघ की नीति से था। अत: कथन 1 सही **नहीं** है।
- नरेन्द्र मंडल का गठन फरवरी 1921 में किया गया। इसमें प्रतिनिधित्व के लिये रियासतों को तीन भागों में विभाजित किया गया। इसमें 109 रियासतों को जो पूर्ण वैधानिक और क्षेत्राधिकार रखती थी, उन्हें सीधा प्रतिनिधित्व दिया गया। अत: कथन 2 सही है।
- यह मंडल केवल सलाहकार और परामर्श देने वाली इकाई ही था। इसका किसी रियासत के आंतरिक मामलों में कोई हस्तक्षेप नहीं था। अत: कथन 3 सही है।
- इस संस्था का मुख्य कार्य ब्रिटिश सरकार से परामर्श लेना तथा ब्रिटिश सरकार को परामर्श देना था किंतु बाद में यह संस्था भारतीय राजाओं के अधिकारों के संबंध में तथा ब्रिटिश नीति के संबंध में भी विचार विमर्श करने लगी। आरंभ में नरेन्द्र मण्डल के अनेक सदस्य अखिल भारतीय संघ के निर्माण के पक्ष में थे। नरेन्द्रों के कहने पर ही 1919 में एक सहिंताकरण समिति (कोडीफीकेशन समिति) नियुक्त की गयी ताकि राजनैतिक परंपराओं की सीमाओं और सर्वश्रेष्ठता की व्याख्या की जा सके।
- इस प्रकार, विकल्प (d) सही है।

30. उत्तर : (c)

व्याख्या :

- हाल ही में, वित्तीय कार्यवाई कार्य बल (FATF) ने पाकिस्तान को पुन: 'ग्रे-लिस्ट' में रखने का निर्णय लिया है। साथ ही, इस सूची में तुर्की को भी शमिल किया गया है, जबकि मॉरीशस को इस सूची से बाहर कर दिया गया है। 'इन्क्रीज्ड मॉनिटरिंग लिस्ट' ग्रे सूची का ही दूसरा नाम है।
- एफ.ए.टी.एफ. का उद्देश्य मनी लॉण्ड्रिंग, आतंकवादी वित्तपोषण जैसे खतरों से निपटना और अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय प्रणाली की अखंडता के लिये अन्य कानूनी, विनियामक और परिचालन उपायों के प्रभावी कार्यान्वयन को बढ़ावा देना है।
- आंतकवादी वित्तपोषण को बढ़ावा देने तथा धन शोधन गतिविधियों को बढ़ावा देने वाले देशों को ग्रे-सूची में रखा जाता है।
- इस प्रकार, विकल्प (c) सही है।

31. उत्तर : (b)

व्याख्या :

ज़ीरो बजट नेचुरल फार्मिंग (ZBNF)

- इस विधि में कृषि लागत जैसे कि उर्वरक, कीटनाशक और गहन सिंचाई की आवश्यकता नहीं होती है। जिससे कृषि लागत में आश्चर्यजनक रूप से गिरावट आती है, इसलिये इसे ज़ीरो बजट नेचुरल फार्मिंग का नाम दिया गया है।
- इस विधि के अंतर्गत किसी भी फसल का उत्पादन करने पर उसका लागत मूल्य शून्य (ज़ीरो) ही आता है।
- इसके अंतर्गत घरेलू संसाधनों द्वारा विकसित प्राकृतिक खाद का इस्तेमाल किया जाता है जिससे किसानों को किसी भी फसल को उगाने में कम खर्चा आता है और कम लागत के कारण उस फसल पर किसानों को अधिक लाभ प्राप्त होता है।

ज़ीरो बजट नेचुरल फामिंग के घटक

- बीजामृत- यह प्रथम चरण होता है। इसमें गाय के गोबर, गोमूत्र तथा चूना व कृषि भूमि की मृदा से बीज शोधन किया जाता है।
- जीवामृत- गाय के गोबर, गोमूत्र व अन्य जैविक पदार्थों का एक घोल तैयार कर किण्वन किया जाता है।

Copyright @ Sanskriti IAS

- मल्चिंग- इसमें जुताई के स्थान पर फसल के अवशेषों को भूमि पर आच्छादित कर दिया जाता है।
- वाफस- इसमें सिंचाई के स्थान पर मृदा में नमी एवं वायु की उपस्थिति को महत्त्व दिया जाता है। अत: कथन 2 सही है।
- आंध्र प्रदेश भारत का पहला ऐसा राज्य है जिसने वर्ष 2015 में ज़ीरो बजट नेचुरल फार्मिंग की शुरुआत की। अत: कथन 1 सही **नहीं** है।
- इस प्रकार, विकल्प (b) सही है।

32. उत्तर : (c)

व्याख्या :

- मनकीडिया ओडिशा की 13 विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों (Particularly Vulnerable Tribal Groups - PVTG) में से एक है। अत: कथन 1 सही **नहीं** है एवं कथन 2 सही है।
- मनकीडिया एक ऐसा समुदाय है, जो अपनी आजीविका के लिये सिमलीपाल में मौजूद सियाली फाइबर से रस्सी बनाने के कार्य पर निर्भर करता है। अत: कथन 3 सही है।
- इस प्रकार, विकल्प (c) सही है।

33. उत्तर : (c)

व्याख्या :

डच डिजीज:

- जब कोई देश किसी प्राकृतिक संसाधन की खोज करता है और उसे शेष विश्व में निर्यात करना शुरू कर देता है (विशेष रूप से बड़े तेल भंडार की खोज) तो वह अपने विभिन्न क्षेत्र में असमान विकास का गवाह बनता है। ऐसी स्थित को डच डिजीज के नाम से जाना जाता है। अत: कथन 1 सही है।
- यह मुद्रा की विनिमय दर के बढ़ने का कारण बनता है और बदले में, सस्ते विकल्पों के आयात को प्रोत्साहित करते हुए अन्य क्षेत्रों से निर्यात को हतोत्साहित करता है।
- यह निम्नलिखित दो मुख्य आर्थिक प्रभावों को प्रदर्शित करता है:
  1. यह प्रभावित देश के विनिर्मित वस्तुओं के निर्यात की कीमत प्रतिस्पर्धात्मकता को कम करता है।
  2. इससे आयात बढ़ता है। अत: कथन 2 सही है।
- इस प्रकार, विकल्प (c) सही है।

34. उत्तर : (c)

व्याख्या :

स्थानांतरित कृषि या झूम कृषि :

- झूम कृषि के तहत पहले वृक्षों तथा वनस्पतियों को काटकर उन्हें जला दिया जाता है। इसके बाद साफ की गई भूमि की पुराने उपकरणों (लकड़ी के हलों आदि) से जुताई करके बीज की बुआई कर दी जाती है। दिये जाते हैं। फसल यह पूर्णत: प्रकृति पर निर्भर होती है और उत्पादन बहुत कम होता है।
- कुछ वर्षों (प्राय: दो या तीन वर्ष) तक जब तक मृदा में उर्वरता बनी रहती है, इस भूमि पर खेती की जाती है। इसके पश्चात् इस भूमि को छोड़ दिया जाता है, जिस पर पुन: पेड़-पौधे उग आते हैं। अब अन्यत्र वन भूमि को साफ करके कृषि के लिये नई भूमि प्राप्त की जाती है और उस पर भी कुछ ही वर्ष तक खेती की जाती है। इस कृषि को भारत के भिन्न-भिन्न भागों में अलग-अलग नामों से जाना जाता है।

(स्थानांतरित कृषि)		**(क्षेत्र)**
वेबर	:	मध्य प्रदेश
पोडू	:	आंध्रप्रदेश
कुमारी	:	पश्चिमी घाट
खिल	:	हिमालयी बेल्ट

- इस प्रकार, विकल्प (c) सही है।

35. उत्तर : (b)

व्याख्या :

- 'एंबरग्रीस' एक ठोस तथा मोम की तरह ज्वलनशील पदार्थ है, जो स्पर्म व्हेल के पाचन तंत्र में उत्पन्न होता है। इसे 'व्हेल वोमिट' भी कहा जाता है। यह हल्का स्लेटी या काले रंग का होता है।
- यह स्पर्म व्हेल के पेट में तब बनता है, जब भोजन का अपचनीय हिस्सा आँत में जाकर आपस में जुड़ जाता है। कई वर्षों बाद यह ठोस रूप ग्रहण कर लेता है। जब स्पर्म व्हेल उल्टी करती है, तब यह समुद्री सतह पर तैरते हुए किनारों पर आ जाता है।
- इसका प्रयोग इत्र बनाने में किया जाता है। यह बहुत कीमती पदार्थ है। हाल ही में, मुंबई पुलिस ने इसकी तस्करी के संबंध में कुछ लोगो को गिरफ्तार किया है।
- इस प्रकार, विकल्प (b) सही है।

Copyright @ Sanskriti IAS

36. उत्तर : (c)

व्याख्या :

- जंतु कोशिकाओं में समसूत्री विभाजन को सबसे पहले वाल्थर फ्लेमिंग ने 1879 ई. में देखा था और उन्होंनें ने ही इसे समसूत्री विभाजन (Mitosis) नाम दिया था।
- समसूत्री कोशिका विभाजन को कायिक कोशिका विभाजन (Somatic cell division) भी कहते है क्योंकि यह विभाजन कायिक कोशिकाओं में होता है और इससे दो एकसमान कोशिकाएँ बनती हैं।
- समसूत्री विभाजन के परिणामस्वरूप निर्मित सभी संतति कोशिकाओं में गुणसूत्रों की संख्या समान रहती है। समसूत्री विभाजन के परिणामस्वरूप संतति कोशिकाओं के गुणसूत्र मातृ कोशिकाओं के समान होते हैं। अत: कथन 1 सही है।
- समसूत्री विभाजन सभी सजीवों में वृद्धि का आधार होता है। यह घाव को भरने, क्षतिग्रस्त हिस्सों को फिर से बनाने (जैसे-छिपकली की पूँछ), कोशिकाओं के प्रतिस्थापन (त्वचा की सतह) में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। सजीवों में घावों का भरना एवं अंगों का पुनरुद्भवन (Regeneration) इसी विभाजन के परिणामस्वरूप संभव होता है। अत: कथन 2 सही है।
- इस प्रकार, विकल्प (c) सही है।

37. उत्तर : (b)

व्याख्या :

- जीवक चिंतामणि की रचना जैन भिक्षु तिरुत्तक्कदेवर ने की थी। यह एक आदर्श नायक की जीवन कथा है जो युद्ध तथा शांति दोनों कलाओं में निपुण है। अत: कथन 1 सही **नहीं** है।
- संगम शब्द का अर्थ परिषद् होता है जिनमें तमिल कवि एवं विद्वान् एकत्र होते थे। हर कवि अपनी रचनाओं को संगम के समक्ष काव्यात्मक शैली में प्रस्तुत करता था। संगम साहित्य का विभाजन निम्नलिखित तीन भागों में किया जा सकता है-
  1. पत्थूप्पातु- यह दस पदों का संग्रह है।
  2. इत्थथोकै इसमें आठ कविताएँ है।
  3. पदिनेन कीलकणक्कू- यह 18 लघु कविताओं का संग्रह है।
- अत: कथन (b) सही है।
- इस प्रकार, विकल्प (b) सही है।

38. उत्तर : (b)

व्याख्या :

पौधे जड़ द्वारा भूमि से पानी एवं पोषक तत्त्व, वायु से कार्बन डाइऑक्साइड तथा सूर्य से प्रकाश ऊर्जा लेकर अपने विभिन्न भागों का निर्माण करते है। पोषक तत्त्वों को पौधों की आवश्यकतानुसार निम्नलिखित प्रकार से वर्गीकृत किया गया है-

- मुख्य पोषक तत्त्व- नाइट्रोजन, फॉस्फोरस एवं पोटाश।
- गौण पोषक तत्त्व- कैल्सियम, मैग्नीशियम एवं गंधक। इन्हें द्वितीयक पोषक तत्त्व कहा जाता है। अत: कथन 1 सही **नहीं** है।
- सूक्ष्म पोषक तत्त्व- लोहा, जिंक, कॉपर, मैग्नीज, मोलिब्डेनम, बोरान एवं क्लोरीन।
- कैल्सियम गुणसूत्र का संरचनात्मक अवयव है। दलहनी फसलों में प्रोटीन निर्माण के लिये आवश्यक है। पौधे मिट्टी से कैल्शियम को आयन के रूप में ग्रहण करते है। इसकी आवश्यकता विभज्योतक तथा विभेदित हुए उत्तकों को अधिक होती है।
- पौधों में मैंगनीज ऑक्सीकरण-अपचयन क्रियाओं में उत्प्रेरक का कार्य करता है। यह प्रकाश संश्लेषण में भी सहायक है। इसके अलावा मैंगनीज जल के अणुओं से ऑक्सीजन के उत्सर्जन में सहायक है। अत: कथन 2 सही है।
- इस प्रकार, विकल्प (b) सही है।

39. उत्तर : (b)

व्याख्या :

- मलेरिया एक मच्छर जनित रोग (Mosquito Borne Disease) है जो प्लाज्मोडियम परजीवी (Plasmodium Parasites) के कारण होता है। यह मुख्य रूप से अफ्रीका, दक्षिण अमेरिका और एशिया के उष्णकटिबंधीय एवं उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में पाया जाता है।
- इस परजीवी का प्रसार संक्रमित मादा एनाफिलीज मच्छरों (Female Anopheles Mosquitoes) के काटने से होता है। अत: कथन 1 सही **नहीं** है।
- हाल ही में विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने दुनिया की पहली मलेरिया वैक्सीन को मान्यता दी है। यह मलेरिया के प्रसार को रोकने के प्रयासों को बढ़ावा देगी।
- मलेरिया के इस टीके का व्यावसायिक नाम मॉसक्विरिक्स है। यह अफ्रीका में सबसे प्रचलित मलेरिया स्ट्रेन पी. फॉल्सीपेरम

Copyright @ Sanskriti IAS

को लक्षित करने वाली वैक्सीन है। यह छोटे बच्चों को आंशिक सुरक्षा प्रदान करने वाला पहला और एकमात्र टीका है। इसे ब्रिटिश दवा निर्माता ग्लैक्सोस्मिथक्लाइन द्वारा विकसित किया गया था। अत: कथन 2 सही है।

- मॉसक्विरिक्स प्लास्मोडियम फॉल्सीपेरम परजीवी (PFP) की सतह पर पाए जाने वाले प्रोटीन से बना होता है।
- इस प्रकार, विकल्प (b) सही है।

40. उत्तर : (d)

व्याख्या :

- हाल ही में कृषि क्षेत्र के वित्तपोषण के लिये 'कृषि अवसंरचना कोष' की शुरुआत की गई है। आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत इसका प्रारंभ किया गया है। इस योजना के अंतर्गत, बैंकों व वित्तीय संस्थानों द्वारा प्राथमिक कृषि ऋण समितियों, विपणन सहकारी समितियों, किसान उत्पादक संगठनों, स्वयं सहायता समूहों, किसानों व कृषि उद्यमियों के साथ-साथ स्टार्टअप और केंद्रीय/राज्य एजेंसियों या स्थानीय निकायों द्वारा प्रायोजित सार्वजनिक-निजी भागीदारी परियोजनाओं को एक लाख करोड़ रुपए की धनराशि केंद्रीय योजना ऋण के रूप में उपलब्ध कराई जाएगी। अत: कथन 1 सही है।
- कृषि अवसंरचना कोष का उद्देश्य, मध्यम व दीर्घावधिक सस्ते ऋण के माध्यम से फसल-कटाई के बाद बुनियादी ढाँचा प्रबंधन एवं सामुदायिक कृषि परिसंपत्तियों की परियोजनाओं में निवेश को बढ़ावा देना है। इसके क्रियान्वयन के लिये एग्री इन्फ्रा स्टैक पोर्टल की शुरुआत की गयी है। अत: कथन 2 सही है।
- एक लाख करोड़ रुपए के कोष की इस योजना की अवधि 10 वर्ष अर्थात 2020 से 2029 तक होगी इसके तहत पहले वर्ष में 10, 000 करोड़ रुपए और उसके बाद प्रत्येक 3 साल में 30-30 हजार करोड़ रुपए दिये जाएंगे। इस प्रकार 10 वर्ष में पूरे एक लाख करोड़ रुपए का ऋण वितरित किया जाएगा। अत: कथन 3 सही है।
- इस प्रकार, विकल्प (d) सही है।

41. उत्तर : (a)

व्याख्या :

राष्ट्रपति पर महाभियोग

- अनुच्छेद 61 के अनुसार, राष्ट्रपति को उसके कार्यकाल की समाप्ति से पहले केवल 'संविधान के अतिक्रमण/उल्लंघन (Violation Of The Constitution) के आधार पर पद से हटाया जा सकता है। हालाँकि भारतीय संविधान में 'संविधान का उल्लंघन' वाक्यांश के अर्थ को परिभाषित नहीं किया गया है।
- राष्ट्रपति पर महाभियोग की प्रक्रिया (Impeachment Process) संसद के किसी भी सदन में शुरू की जा सकती है।
- राष्ट्रपति के विरुद्ध प्रस्ताव पर सदन के कम-से-कम एक-चौथाई सदस्यों के हस्ताक्षर होना आवश्यक है। अत: कथन 2 सही **नहीं** है।
- महाभियोग का प्रस्ताव लाने से पूर्व राष्ट्रपति को 14 दिन का नोटिस दिया जाता है। अत: कथन 1 सही है।
- राष्ट्रपति पर महाभियोग का प्रस्ताव मूल सदन (Originating House) में विशेष बहुमत (दो-तिहाई) द्वारा पारित किया जाता है।
- इसके बाद प्रस्ताव को दूसरे सदन में विचार हेतु भेजा जाता है। दूसरा सदन एक निरीक्षक के रूप में कार्य करता है। राष्ट्रपति पर लगे आरोपों की जाँच के लिये एक प्रवर समिति का गठन किया जाता है। यदि आरोप सही साबित हुआ तो प्रस्ताव सदन के दो-तिहाई बहुमत से पारित किये जाने के बाद के तिथि से राष्ट्रपति पद से हट जाता है।
- इस प्रकार, विकल्प (a) सही है।

42. उत्तर : (a)

व्याख्या :

भारत में शहरी स्थानीय सरकार की संरचना का स्वरूप-

नगर निगम

- नगर निगम (Municipal corporations) आमतौर पर बंगलुरु, दिल्ली, मुंबई, कोलकाता जैसे बड़े नगरों में कार्यरत हैं।

नगरपालिका

- छोटे शहरों में नगरपालिकाओं (Municipalities) का प्रावधान है।
- नगरपालिकाओं को प्राय: नगर परिषद्, नगरपालिका समिति, नगरपालिका बोर्ड जैसे अन्य नामों से भी जाना जाता है।

अधिसूचित क्षेत्र समिति

- तेजी से विकसित हो रहे कस्बों और बुनियादी सुविधाओं से वंचित कस्बों के लिये अधिसूचित क्षेत्र समितियों (Notified area committees) का गठन किया जाता है।

Copyright @ Sanskriti IAS

- अधिसूचित क्षेत्र समिति के सभी सदस्य राज्य सरकार द्वारा मनोनीत किये जाते हैं।

नगर क्षेत्र समिति

- नगर क्षेत्र समिति (Town Area Committee) छोटे शहरों में पाई जाती हैं।
- इसके पास स्ट्रीट लाइटिंग, ड्रेनेज रोड और कंजर्वेंसी जैसे न्यूनतम अधिकार होते हैं। इसको राज्य सरकार द्वारा प्रशासित किया जाता है।

छावनी बोर्ड

- छावनी बोर्ड (Cantonment Board) आमतौर पर छावनी क्षेत्र में रहने वाली नागरिक आबादी के लिये स्थापित किया जाता है।
- इसे केंद्र सरकार द्वारा गठित और संचालित किया जाता है।

पोर्ट ट्रस्ट

- पोर्ट ट्रस्ट (Port Trusts) मुंबई, चेन्नई, कोलकाता जैसे बंदरगाह क्षेत्रों में स्थापित किये गए हैं। यह बंदरगाह का प्रबंधन और देखभाल करता है। यह उस क्षेत्र में रहने वाले लोगों को बुनियादी नागरिक सुविधाएँ भी प्रदान करता है। पत्तन न्यास का गठन संसद के एक अधिनियम द्वारा किया गया है। इसी अधिनियम के तहत केंद्र सरकार द्वारा इसका प्रशासन किया जाता है।

विशेष प्रयोजन एजेंसी

- विशेष प्रयोजन एजेंसियाँ (Special PurposeA gency) नगर निगमों या नगरपालिकाओं से संबंधित निर्दिष्ट गतिविधियों या विशिष्ट कार्यों को पूरा करती हैं। इनकी कार्यप्रणाली से संबंधित प्रावधान राज्य विधानमंडल द्वारा किये जाते हैं।
- इस प्रकार, विकल्प (a) सही है।

43. उत्तर : (c)

व्याख्या :

- प्रस्तावना संविधान के परिचय अथवा भूमिका को कहते हैं। भारतीय संविधान की प्रस्तावना पंडित नेहरू द्वारा पेश किये गए 'उद्देश्य प्रस्ताव' पर आधारित है। एन.ए. पालकीवाला ने प्रस्तावना को संविधान का पहचान पत्र कहा है।
- 42वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1976 द्वारा इसमें समाजवादी, पंथनिरपेक्ष और अखंडता जैसे शब्दों को सम्मिलित किया गया।
- संविधान की प्रस्तावना में विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता की चर्चा की गई है। संविधान की प्रस्तावना में सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय की बात की गयी है।
- संविधान की प्रस्तावना में प्रतिष्ठा और अवसर की समता की चर्चा की गयी है।
- सारांशत: भारतीय संविधान की प्रस्तावना में तीन प्रकार का न्याय – सामाजिक, आर्थिक एवं राजनैतिक, पांच प्रकार की स्वतंत्रता – विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म एवं उपासना एवं दो प्रकार की समानता – **प्रतिष्ठा** एवं **अवसर** का उल्लेख किया गया है।
- इस प्रकार, विकल्प (c) सही है।

44. उत्तर : (a)

व्याख्या :

- प्राकृतिक पर्यावरण जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्यजीव आते हैं, की रक्षा और संवर्द्धन करना तथा सार्वजनिक संपत्ति को सुरक्षित रखना मौलिक कर्तव्यों में शामिल है न की राज्य के नीति निदेशक तत्त्वों में। वस्तुत: राज्य नीति निदेशक तत्त्व में राज्य को पर्यावरण के 'संरक्षण और संवर्द्धन' करने का निर्देश दिया गया है।
- जबकि निम्नलिखित प्रावधान राज्य के नीति निदेशक तत्त्वों में शामिल हैं –
  - ➤ अनुच्छेद 43 : राज्य ग्रामीण क्षेत्रों में व्यक्तिगत या सहकारी आधार पर कुटीर उद्योगों को बढ़ावा देना।
  - ➤ अनुच्छेद 43B : सहकारी समितियों के स्वैच्छिक गठन, स्वायत्त कामकाज, लोकतांत्रिक नियंत्रण और पेशेवर प्रबंधन को बढ़ावा देना।
  - ➤ अनुच्छेद 46 : राज्य समाज के कमजोर वर्गों, विशेषकर अनुसूचित जातियों (एस.सी.), अनुसूचित जनजातियों (एस.टी.) और अन्य कमजोर वर्गों के शैक्षिक और आर्थिक हितों को बढ़ावा देना।
- इस प्रकार, विकल्प (a) सही है।

45. उत्तर : (d)

व्याख्या :

- केंद्र सरकार द्वारा वर्ष 2003 से मलेरिया, कालाजार और फाइलेरिया के नियंत्रण के लिये चलाए जा रहे राष्ट्रीय कार्यक्रमों का विलय करके 'राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम' शुरू किया गया था। बाद में इस कार्यक्रम के अंतर्गत जापानी

Copyright @ Sanskriti IAS

इंसेफेलाइटिस और डेंगू को भी शामिल कर लिया गया है। 'राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम निदेशालय' इस कार्यक्रम को लागू करने वाली नोडल एजेंसी है।

- ज्ञात है कि डेंगू, मलेरिया, जापानी इंसेफेलाइटिस एवं फाइलेरिया मच्छरों द्वारा फैलते हैं, जबकि कालाजार के प्रसार के लिये मक्खी ज़िम्मेदार है। इस प्रकार, उपरोक्त सभी रोग 'राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम' के अंतर्गत शामिल हैं।
- इस प्रकार, विकल्प (d) सही है।

46. उत्तर : (b)

व्याख्या :

- द्वितीय विश्व युद्ध में जर्मनी की असाधारण सफलता तथा फ्राँस, हालैंड और बेल्जियम के पतन के पश्चात् ब्रिटेन की स्थिति अत्यन्त नाजुक हो गई थी। उन परिस्थितियों में भारतीयों का सहयोग पाने के लिये ब्रिटेन ने समझौतावादी दृष्टिकोण अपनाया 8 अगस्त 1940 को वायसराय लिनलिथगो ने भारतीयों के लिये एक घोषणा की जिसे **'अगस्त प्रस्ताव'** के नाम से जाना जाता है। इस प्रस्ताव के मुख्य प्रावधान निम्नलिखित थे-
- भारत के लिये डोमिनियम स्टेट्स मुख्य लक्ष्य।
- भारतीयों को सम्मिलित कर युद्ध सलाहकार परिषद् की स्थापना।
- युद्ध के उपरांत संविधान सभा का गठन किया जाएगा। संविधान ऐसा होगा कि रक्षा, अल्पसंख्यकों के हित, राज्यों से संधियाँ तथा अखिल भारतीय सेवाएँ आदि मुद्दों पर भारतीयों के अधिकार का पूर्ण ध्यान रखने का आश्वासन।
- अल्पसंख्यकों को आश्वस्त किया गया कि सरकार ऐसी किसी संस्था को शासन नहीं सौंपेगी, जिसके विरुद्ध सशक्त मत हो। भावी संविधान में उनके मतों को सम्मान देने की बात की गयी। अत: कथन 1 सही है।
- वायसराय की कार्यकारिणी परिषद् का विस्तार किया जाएगा।
- ब्रिटिश सरकार द्वारा यह आशा की गई कि राष्ट्रमंडल के पूर्ण और बराबर सदस्य बनने में भारत के भिन्न-भिन्न वर्ग और संप्रदाय सरकार का सहयोग करेंगे। अत: कथन 2 सही **नहीं** है।
- कॉन्ग्रेस और मुस्लिम लीग ने इस प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया। नेहरू ने कहा 'डोमिनियन स्टेट्स का मुद्दा पहले ही अप्रासांगिक हो चुका है।' गांधी जी ने भी इस घोषणा की आलोचना करते हुए कहा कि इस प्रस्ताव से राष्ट्रवादियों तथा उपनिवेशी सरकार के बीच खाई और चौड़ी होगी। मुस्लिम लीग ने हालाँकि प्रस्ताव में अल्पसंख्यकों के संबंध में दिये आश्वासनों का स्वागत किया परंतु प्रस्ताव में पाकिस्तान की मांग स्पष्ट रूप से स्वीकार न किये जाने के कारण लीग ने प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया। अत: कथन 3 सही है।
- इस प्रकार, विकल्प (b) सही है।

47. उत्तर : (a)

व्याख्या :

प्रश्न में दिये गए सागरों का उत्तर से दक्षिण की ओर क्रम है-

- पीला सागर - सेलेबिज़ सागर - अराफुरा सागर - कोरल सागर
- पीला सागर पश्चिमी प्रशांत महासागर का एक सीमांत समुद्र है जो मुख्य भूमि चीन और कोरियाई प्रायद्वीप के बीच स्थित है, और इसे पूर्वी चीन सागर का उत्तर-पश्चिमी भाग माना जा सकता है। इसका नाम प्रमुख नदियों से निकलने वाले गाद से भरे पानी के सुनहरे-पीले रंग के कारण है।
- सेलेबिज सागर पश्चिमी प्रशांत महासागर में सेलेबिज के इंडोनेशियाई द्वीप के उत्तर में और सुलु सागर और फिलीपींस के दक्षिण में स्थित है
- अराफुरा सागर प्रशांत महासागर के पश्चिम में स्थित है, जो ऑस्ट्रेलिया और पश्चिमी न्यू गिनी (जिसे पापुआ भी कहा जाता है) के बीच महाद्वीपीय शेल्फ पर स्थित है।
- कोरल सागर (Coral Sea) दक्षिणी प्रशांत महासागर का एक सीमांत सागर है, जो ऑस्ट्रेलिया के उत्तरी तट पर यॉर्क अंतरीप प्रायद्वीप से पूर्वोत्तर में स्थित है। इसके पश्चिम में क्वीन्सलैण्ड का पूर्वी तट है और पूर्व में वानूआतू स्थित है। पश्चिमोत्तर में यह पूर्वी न्यू गिनी के दक्षिण तट से मिलता है और टॉरेस जलसंधि द्वारा आराफुरा सागर से जुड़ा हुआ है।
- इस प्रकार, विकल्प (a) सही है।

48. उत्तर : (b)

व्याख्या :

- समुद्र के प्रति हजार ग्राम जल में विभिन्न प्रकार के लवणों की जितनी ग्राम मात्रा पाई जाती है, उसे ही लवणता की संज्ञा प्रदान की जाती है। महासागरीय जल की लवणता उसमें घोल के रूप में पाए जाने वाले सभी प्रकार के लवणों के योग का द्योतक होती है। समुद्र वैज्ञानिक लवणता को प्रतिशत (%) में न व्यक्त करके प्रति हजार (‰) में प्रकट करते हैं।

Copyright @ Sanskriti IAS

- हिंद महासागर की लवणता 32‰ से 37‰ppm होती है बंगाल की खाड़ी की लवणता से 32‰ से कम होती है (लगभग 30‰) क्योंकि इस क्षेत्र में नदियों के द्वारा स्वच्छ जल की आपूर्ति की जाती है। अत: कथन 1 सही **नहीं** है।
- व्यापारिक पवन अपने साथ महासागर के पूर्वी तटों के निकटवर्ती उष्ण एवं अधिक खारे जल को बहाकर पश्चिमी तट की ओर ले जाती है, जिसकी पूर्ति हेतु अधरतल का शीतल तथा अपेक्षाकृत कम खारा जल ऊपर आ जाता है। इस प्रकार अयनवर्ती क्षेत्रों में महासागरों के पूर्वी तट की लवणता कम तथा पश्चिमी तट के निकट अधिक होती है। अत: कथन 2 सही है।
- इस प्रकार, विकल्प (b) सही है।

49. उत्तर : (b)

व्याख्या :

ईस्ट इंडिया कंपनी के आगमन से पूर्व भारत में जो परंपरागत भू-राजस्व व्यवस्था थी उसमें भूमि पर किसानों का अधिकार था तथा फसल का एक भाग सरकार को दे दिया जाता था। 1765 में इलाहाबाद की संधि से कंपनी को बंगाल, बिहार और उड़ीसा की दीवानी प्राप्त हो गई तब भी कंपनी ने पुरानी भू-राजस्व व्यवस्था को ही जारी रखा लेकिन भू-राजस्व की दरें बढ़ा दी। यह स्वाभाविक भी था क्योंकि कंपनी के खर्चे बढ़ रहे थे और भू-राजस्व ही ऐसा माध्यम था जिससे कंपनी को अधिकाधिक धन प्राप्त हो सकता था। यद्यपि क्लाइव और उसके उत्तराधिकारी ने प्रारंभ में भू-राजस्व पद्धति में कोई बड़ा बदलाव नहीं किया, किंतु कुछ वर्षों के पश्चात् कंपनी ने अपने खर्चों की पूर्ति एवं अधिकाधिक लाभ कमाने के उद्देश्य से भारत की कृषि व्यवस्था में हस्तक्षेप करना प्रारंभ कर दिया तथा करों के निर्धारण और वसूली के लिये नई भू-राजस्व प्रणालियाँ कायम की। अंग्रेज़ों द्वारा भारत में मुख्य रूप से स्थायी बंदोबस्त, रैयतवाड़ी तथा महालबाड़ी व्यवस्था को अपनाया गया।

नवीन भू-राजस्व प्रणालियों के निम्नलिखित परिणाम हुए-

- ग्रामीण अर्थव्यवस्था का पतन
- शोषण की त्रिस्तरीय प्रणाली का विकास
- उपसामंतीकरण का विकास
- कृषकों की ऋणग्रस्तता
- कृषि क्षेत्र में नवीन वर्गों का उदय
- ज़मींदारों एवं महाजनों द्वारा उद्योगों की जगह भूमि में पूंजी निवेश में वृद्धि तथा सीमित स्तर पर कृषि निवेश को बढ़ावा दिया गया।
- अनुपस्थित जमींदारी प्रथा का विकास
- इस प्रकार, विकल्प (b) सही है।

50. उत्तर : (a)

व्याख्या :

- भारत में जैव विविधता के संरक्षण को बढ़ावा देने के लिये वर्ष 2002 में संसद ने 'जैव विविधता अधिनियम' पारित किया था। भारत प्रारंभ से ही 'जैव विविधता पर संयुक्त राष्ट्र अभिसमय' का समर्थक रहा है और यह अधिनियम इसी अभिसमय के प्रावधानों को देश में आगे बढ़ाने के लिये पारित किया गया था। अत: कथन 1 सही है।
- इसमें जैव विविधता के संरक्षण के साथ-साथ स्थानीय समुदायों के अधिकारों के संरक्षण पर बल दिया गया है। साथ ही इन्हें जैव विविधता का लाभ प्रदान करने की भी बात की गई है। अत: कथन 2 सही है।
- इस अधिनियम के प्रावधानों को लागू करने के लिये एक त्रिस्तरीय ढाँचे का प्रावधान किया गया है। इसमें राष्ट्रीय स्तर पर 'राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण', राज्यों के स्तर पर 'राज्य जैव विविधता बोर्ड' और स्थानीय स्तर पर 'जैव विविधता प्रबंधन समितियों' के गठन का प्रावधान है। अत: कथन 3 सही **नहीं** है।
- इस प्रकार, विकल्प (a) सही है।

51. उत्तर : (a)

व्याख्या :

पूंजी पर्याप्तता अनुपात (Capital Adequacy Ratio-CAR)

- CAR, बैंक की उपलब्ध पूंजी का एक माप है जिसे बैंक के जोखिम-भारित क्रेडिट एक्सपोजर के प्रतिशत के रूप में व्यक्त किया जाता है।
- पूंजी पर्याप्तता अनुपात को पूंजी-से-जोखिम भारित संपत्ति अनुपात (Capital-to-risk Weighted Assets Ratio-CRAR) के रूप में भी जाना जाता है। इसका उपयोग जमाकर्त्ताओं की सुरक्षा और विश्व में वित्तीय प्रणालियों की स्थिरता और दक्षता को बढ़ावा देने के लिये किया जाता है।

गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी

- गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी उस संस्था को कहते हैं जो कंपनी अधिनियम 1956 के अंतर्गत पंजीकृत है और जिसका मुख्य काम उधार देना तथा विभिन्न प्रकार के शेयरों, प्रतिभूतियों, बीमा

Copyright @ Sanskriti IAS

कारोबार तथा चिटफंड से संबंधित कार्यों में निवेश करना है।

- भारत में गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एन.बी.एफ.सी.) में केवल वित्तीय कंपनियां शामिल नहीं है जैसा कि आम जनता द्वारा बड़े पैमाने पर समझा जाता है; इस शब्द में कंपनियों का एक बड़ा समूह शामिल है जो निवेश कारोबार, बीमा कारोबार, चिट फंड, निधि, व्यापार बैंकिंग, स्टॉक ब्रोकिंग, वैकल्पिक निवेश आदि का कारोबार करती है।
- गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियाँ जो जमा स्वीकार करती है उन्हें RBI के साथ पंजीकृत करना अनिवार्य है। हालाँकि इनके द्वारा स्वीकृत जमाओं पर RBI गारंटी नहीं देता अत: कथन 1 सही है।
- आरबीआई की ओर से बनाए गए पूंजी पर्याप्तता अनुपात को बनाए रखना गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों के लिये अनिवार्य है। अत: कथन 2 सही **नहीं** है।
- इस प्रकार, विकल्प (a) सही है।

52. उत्तर : (c)

व्याख्या :

- पर्यावरणीय क्षति के समायोजन के बाद किसी देश की जी.डी.पी. को हरित जी.डी.पी. कहा जाता है। हरित या ग्रीन जी.डी.पी. आम तौर पर पर्यावरणीय क्षति के समायोजन के बाद जी.डी.पी. में व्यक्त करने के लिये प्रयोग किया जाता है। इससे तात्पर्य यह है कि सार्वजनिक और निजी निवेश करते समय इस बात को ध्यान में रखा जाए कि कार्बन उत्सर्जन और प्रदूषण कम से कम हो, ऊर्जा और संसाधनों की प्रभावोत्पादकता बढ़े और जो जैव विविधता और पर्यावरण प्रणाली की सेवाओं के नुकसान कम करने में मदद करे।
- इस ग्रीन जीडीपी में उत्पादित वस्तुओं और सेवाओं के अंतिम मूल्य से पारिस्थितिक क्षरण की लागत को घटा दिया जाता है। अत: कथन 1 सही है।
- संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम के अनुसार ग्रीन जी.डी.पी. का मतलब जैविक विविधता की कमी और जलवायु परिवर्तन के कारणों को मापना है। ग्रीन जी.डी.पी. का मतलब पारंपरिक सकल घरेलू उत्पाद के उन आँकड़ों से है, जो आर्थिक गतिविधियों में पर्यावरणीय तरीकों को स्थापित करते हैं। किसी देश की ग्रीन जी.डी.पी. से तात्पर्य है कि वह देश सतत् विकास की दिशा में आगे बढ़ने के लिये किस हद तक तैयार है।
- वर्ष 2010 में नागोया में हुए जैव विविधता संरक्षण सम्मेलन में भारत ने यह घोषणा की है कि वह प्राकृतिक संसाधन लेखांकन को अपनाएगा। अत: कथन 2 सही है।
- इस प्रकार, विकल्प (c) सही है।

53. उत्तर : (d)

व्याख्या :

- किसी भी अर्थव्यवस्था में जब वस्तुओं और सेवाओं का समग्र उत्पादन, जिसे आमतौर पर GDP के रूप में मापा जाता है- एक तिमाही से दूसरी तिमाही तक बढ़ता है, तो इसे अर्थव्यवस्था के विस्तार की अवधि (Expansionary Phase) कहा जाता है।
- वहीं इसके विपरीत जब वस्तुओं और सेवाओं का समग्र उत्पादन एक तिमाही से दूसरी तिमाही में कम हो जाता है तो इसे अर्थव्यवस्था में मंदी की अवधि (Recessionary Phase) कहा जाता है।
- रिसेशन (Recession) को रोकने के लिये निम्नलिखित कदम उठाये जा सकते हैं-
- ब्याज दरों में कमी से सरकार सस्ते रुपए की नीति अपना सकती है जिससे उधार लेने की प्रकिया को ज्यादा उदार बनाया जा सकता है।
- कर की दरों में कटौती जिससे उपभोक्ता के पास खर्च करने के लिये ज्यादा रकम हो
- नए निवेश में कर की छूट की घोषणा।
- वेतन में वृद्धि से भी मंदी से निजात पाने में मदद मिलती है क्योंकि लोगो के पास ज्यादा पैसा होने से मांग में वृद्धि होती है।
- इस प्रकार, विकल्प (d) सही है।

54. उत्तर : (a)

व्याख्या :

- मुद्रा आपूर्ति को अर्थव्यवस्था में परिसंचारी (circulating) धन के रूप में परिभाषित किया जाता है। मुद्रा आपूर्ति के द्वितीयक कार्यकारी दल की सिफारिशों के आधार पर भारतीय रिज़र्व बैंक ने मुद्रा आपूर्ति का आंकलन निम्नलिखित चार संघटकों के आधार पर करना प्रारंभ किया। इसका पहला महत्त्वपूर्ण घटक है लेनदेन की मुद्रा जिसे M1 के रूप में व्यक्त किया जाता है। M1 में निम्नलिखित शामिल है-
  - ➤ वे सिक्के जो बैंकों के पास नहीं है।
  - ➤ बैंक से बाहर चलन में पत्र मुद्रा।
  - ➤ बैंक मुद्रा अर्थात् बैंकों की वह जमा राशि जिस पर चेक लिखे जाते हैं जैसे बचत खाते एवं चालू खाते।

Copyright @ Sanskriti IAS

- विस्तृत मुद्रा की अवधारणा M2 में M1 के अतिरिक्त डाकखानों की बचत बैंक जमा आते हैं।
- M3 सकल मौद्रिक साधन है और इसमें निम्नलिखित शामिल हैं-
  - ➤ जनता के पास सिक्के,
  - ➤ बैंकों से मांग जमा,
  - ➤ डाकखानों में जमा तथा बैंकों की सावधि जमाएँ।
- इसके अलावा M4 को M3 + डाकखाने की सम्पूर्ण जमायें के रूप में जाना जाता है।
- एक धन गुणक एक दृष्टिकोण है जिसका उपयोग व्यापक धन की अधिकतम राशि को प्रदर्शित करने के लिये किया जाता है जो कि वाणिज्यिक बैंकों द्वारा दी गई निश्चित राशि और आरक्षित अनुपात के लिये बनाई जा सकती है। इसे M3 और M0 के अनुपात में व्यक्त किया जाता है। अत: कथन 1 सही है।
- आर्थिक सर्वेक्षण 2022 के अनुसार धन गुणक में पिछले पाँच वर्षों से लगतार वृद्धि दर्ज नहीं की गयी है। इसमें 2017 -18 से लगातार गिरावट दर्ज की गयी है। अत: कथन 2 सही **नहीं** है।
- इस प्रकार, विकल्प (a) सही है।

55. उत्तर : (c)

व्याख्या :

डार्क बायोटेक्नोलॉजी	:	आतंकवाद में जैव प्रौद्योगिकी का प्रयोग
व्हाइट बायोटेक्नोलॉजी	:	औद्योगिक उत्पादन में जैव तकनीक का प्रयोग
यलो बायोटेक्नोलॉजी	:	कीटों का जैव प्रौद्योगिकी के संसाधन के रूप में प्रयोग
ब्लू बायोटेक्नोलॉजी	:	समुद्री व अन्य जलीय जीवों से संबंधित जैव प्रौद्योगिकी का अनुप्रयोग
रेड बायोटेक्नोलॉजी	:	जैव प्रौद्योगिकी का चिकित्सा के क्षेत्र में प्रयोग
ग्रीन बायोटेक्नोलॉजी	:	जैव प्रौद्योगिकी का कृषि के क्षेत्र में प्रयोग

- इस प्रकार, विकल्प (c) सही है।

56. उत्तर : (d)

व्याख्या :

- विद्युत परिपथ एक सेल, एक प्लग कुंजी, विद्युत अवयव तथा सयोंजी तारों से मिलकर बनती है।
- विद्युत परिपथ के समान्तर श्रेणी में-
  - ➤ समान्तर श्रेणी में कुल प्रतिरोध शृंखला श्रेणी के कुल प्रतिरोध से कम होती है। अत: कथन 2 सही है।
  - ➤ इस श्रेणी में सभी विद्युत उपकरण को पृथक विद्युत आपूर्ति की जा सकती है। अत: कथन 3 सही है।
  - ➤ इसमें सभी को समान विभावंतर की प्राप्ति होती है। अत: कथन 1 सही है।
- समांतर श्रेणी में विद्युत उपकरणों को जोड़ने से घरेलू परिपथ के कुल प्रतिरोध में कमी आती है जिसके कारण विद्युत धारा की आपूर्ति अधिक होती है। अत: कथन 4 सही है।
- इस प्रकार, विकल्प (d) सही है।

57. उत्तर : (b)

व्याख्या :

- सल्फर डाइऑक्साइड को हटाने को फ्लू-गैस डिसल्फराइजेशन (FGD) कहा जाता है। यह गैसीय प्रदूषकों को दूर करने का प्रयास करता है। थर्मल प्रसंस्करण, उपचार और दहन के कारण भट्टियों, बॉयलरों और अन्य औद्योगिक प्रक्रियाओं में उत्पन्न निकास ग्रिप गैसों से SO_2 हटाने का कार्य करता है। गैसों को साफ करने के लिये क्षारीय शर्बत, आमतौर पर चूना पत्थर या चूने, या समुद्री जल के घोल का उपयोग इस विधि में होता है। विद्युत शवदाह गृह में इसका उपयोग नहीं किया जाता है। अत: कथन 1 सही **नहीं** है किंतु कथन 2 सही है।
- इस प्रकार, विकल्प (b) सही है।

58. उत्तर : (d)

व्याख्या :

- निर्वाचन संपन्न हो जाने के पश्चात् राष्ट्रपति के पद के निर्वाचन पर, सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष निर्वाचन याचिका के माध्यम से प्रश्न उठाया जा सकता है। ऐसी निर्वाचन याचिका, एक अभ्यर्थी द्वारा या एक साथ प्रत्यर्थियों के रूप में जुड़कर बीस या इससे अधिक निर्वाचकों द्वारा प्रस्तुत की जानी चाहिये और राष्ट्रपतीय एवं उपराष्ट्रपतीय निर्वाचन अधिनियम, 1952 की धारा 12 के अधीन, निर्वाचन में निर्वाचित अभ्यर्थी के नाम को निहित करती हुई घोषणा के प्रकाशन की तिथि के पश्चात् किसी भी समय, किंतु इस तरह के प्रकाशन की तिथि से 30 दिनों के पश्चात् प्रस्तुत नहीं की जा सकती है। इन प्रावधानों के अधीन, संविधान

Copyright @ Sanskriti IAS

के अनुच्छेद 145 के अधीन सर्वोच्च न्यायालय, ऐसी निर्वाचन याचिकाओं से जुड़े स्वरूप, रीति और प्रक्रियाओं को विनियमित कर सकता है। अत: कथन 1 सही **नहीं** है।

- यदि राष्ट्रपति का निर्वाचन शून्य घोषित किया जाता है तो सर्वोच्च न्यायालय की घोषणा से पूर्व उसके द्वारा किये गए कार्य अवैध नहीं माने जाएंगे तथा प्रभावी बने रहेंगे। अत: कथन 2 सही **नहीं** है।
- इस प्रकार, विकल्प (d) सही है।

59. उत्तर : (c)

व्याख्या :

- आधुनिक भारत में फैक्टर शब्द व्यापारियों के लिये प्रयोग किया जाता था।
- इस प्रकार, विकल्प (c) सही है।

60. उत्तर : (a)

व्याख्या :

- जेनेटिक इंजीनियरिंग मूल्यांकन समिति (GEAC) पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 के तहत अधिसूचित 'खतरनाक सूक्ष्मजीवों/आनुवंशिक रूप से निर्मित जीवों या कोशिकाओं के निर्माण, उपयोग, आयात, निर्यात तथा भंडारण के लिये नियम, 1989' के तहत गठित एक वैधानिक निकाय है। अत: कथन 1 सही है।
- इसकी अध्यक्षता पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MOEFCC) के विशेष सचिव/अतिरिक्त सचिव द्वारा की जाती है। नियमावली 1989 के अनुसार, यह अनुसंधान और औद्योगिक उत्पादन के प्रयुक्त होने वाले हानिकारक सूक्ष्मजीवों और पुनर्संयोजी जीवों के बड़े पैमाने पर उपयोग से संबंधित गतिविधियों का पर्यावरणीय दृष्टि से मूल्यांकन करती है। इस समिति का कार्य आनुवंशिक रूप से संशोधित सूक्ष्म जीवों और उत्पादों के कृषि में उपयोग को स्वीकृति प्रदान करना है। अत: कथन 2 सही **नहीं** है।
- इस प्रकार, विकल्प (a) सही है।

61. उत्तर : (b)

व्याख्या :

क्षोभमंडल की ऊपरी सीमा तथा समतापमंडल की निचली सीमा में तेजी से विसर्पण करने वाली वायु जो सामान्यत: पश्चिम से पूर्व की ओर चलती है जेट-स्ट्रीम कहलाती है।

- जेट-स्ट्रीम के प्रकार
  - ध्रुवीय राशि रात्रि जेट-स्ट्रीम
  - ध्रुवीय वाताग्र जेट-स्ट्रीम
  - उपोष्ण कटिबंधीय पछुआ जेट-स्ट्रीम
  - उष्ण कटिबंधीय पूर्वी जेट-स्ट्रीम
- उष्ण पूर्वी जेट-स्ट्रीम (warm eastern jet stream) की उत्पत्ति का मुख्य कारण मध्य एशिया (Central Asia) व तिब्बत के पठारी (Tibetan plateau) भागों के अत्यधिक गर्म होने को माना जाता है। अत: कथन 2 सही है।
- पूर्वी जेट प्रवाह भारत के ऊपरी वायुमण्डल में दक्षिण-पश्चिम दिशा की ओर प्रवाहित होते हुए अरब सागर (Arabian Sea) में नीचे बैठने लगती है। जिससे वहाँ वृहत रूप से उच्च वायु दाब का निर्माण होता है।
- इसके विपरीत भारतीय उप-महाद्वीप (Indian sub&continent) क्षेत्र में गर्म जेट-स्ट्रीम (warm jet stream) प्रवाहित होती है तो सतह की हवा को ऊपर की ओर खींच लेती है तथा वहाँ वृहत निम्न वायु दाब का निर्माण होता है। इस निम्न दाब को भरने के लिये अरब सागर (Arabian Sea) के उच्च दाब क्षेत्र से हवाएँ उत्तर-पूर्व की ओर प्रवाहित होने लगती हैं। इसे ही दक्षिण-पश्चिमी मानसूनी पवन (southwest monsoon wind) कहा जाता है। गर्म जेट-स्ट्रीम ग्रीष्म ऋतु में भारत और अफ्रीका के ऊपर चलती है। अत: कथन 1 सही है।
- पश्चिमी विक्षोभ के लिये पश्चिमी जेट प्रवाह उत्तरदायी होती है। अत: कथन 3 सही **नहीं** है।
- इस प्रकार, विकल्प (b) सही है।

62. उत्तर : (b)

व्याख्या :

- एल्बिडो सौर ऊर्जा का वह भाग है जो पृथ्वी की सतह से वापस अंतरिक्ष में परावर्तित होता है। यह एक परावर्तन गुणांक है और इसका मान एक से कम होता है। जब सौर विकिरण वायुमंडल से होकर गुजरता है, तो इसकी एक निश्चित मात्रा बिखरी हुई, परावर्तित और अवशोषित होती है। विकिरण के परावर्तित योग को पृथ्वी का एल्बिडो कहते हैं। यह पृथ्वी की सतह के ऊर्जा संतुलन में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अगर कोई वस्तु अपने ऊपर पड़ने वाले प्रकाश को पूरी तरह वापस कर देती है तो उसका ऐल्बिडो 1.0 या प्रतिशत में 100% कहा जाता है।

Copyright @ Sanskriti IAS

- ताजी बर्फ सबसे ज्यादा प्रकाश को परावर्तित करती है इसलिये उच्चतम एल्बिडो होता है, जबकि काली मिट्टी में सबसे कम अल्बेडो होता है क्योंकि यह अधिकतम मात्रा में सौर विकिरण को अवशोषित करता है। प्रश्न में दिये गये विकल्पों में एल्बिडो का अवरोही क्रम निम्नलिखित है-
- हिमाच्छादित सतह-घासयुक्त धरातल-चट्टान-मेघ तल
- इस प्रकार, विकल्प (b) सही है।

63. उत्तर : (b)

व्याख्या :

- पवन द्वारा अपरदन का कार्य तीन रूपों यथा-अपवहन, अपघर्षण तथा सन्निघर्षण में संपन्न होता हे। अपवाहन के अंतर्गत यांत्रिक अपक्षय के कारण ढीली तथा असंगठित चट्टानों के ढीले कणों को पवन चट्टानों से अलग करके उड़ा ले जाती है। अपघर्षण के तहत तीव्र वेग की पवन के साथ रेत तथा धूलकण मार्ग में पड़ने वाली चट्टानों को रगड़ कर अपरदित करती है। सन्निघर्षण के तहत शैलकण आपस में रगड़ खाकर यांत्रिक ढंग से टूट जाते हैं।
- **इन्सेलबर्ग:** मरुस्थलों में अपव्यय तथा अपरदन के कारण कोमल चट्टानें आसानी से कट जाती है किंतु कठोर चट्टानों के अवशेष ऊँचे-ऊँचे टीलों के रूप में बच जाता हैं, जिसे इन्सेलबर्ग कहते हैं।
- **ज्यूजेन:** मरुस्थली भाग में यदि कठोर तथा कोमल शैलों की परतें ऊपर-नीचे एक-दूसरे के समानान्तर होती है तो अपक्षय तथा वायु द्वारा अपरदन के कारण विभिन्न स्थलरूपों का निर्माण होता है। इन स्थलरूपों के ऊपरी भाग समतल एवं कठोर चट्टानों का आवरण होता है। इन्हें ज्यूजेन कहते हैं।
- **ड्राइकान्टर:** पथरीले मरुस्थलों में सतह पर पड़े चट्टानों पर पवन के अपरदन द्वारा खरोंचे पड़ जाती हैं। पवनों के विभिन्न दिशाओं से प्रवाहित होने के कारण इनकी आकृति चतुष्फलक जैसी हो जाती है। इसमें एक फलक भू-पृष्ठ पर जबकि तीन बाहर की ओर होते हैं जिन्हें ड्राइकान्टर कहते हैं।
- **बरखान:** बरखान स्तूप एक प्रकार के बालुका स्तूप हैं जिनकी आकृति अर्द्ध-चन्द्राकार होती है और अक्सर समूहों में पाए जाते हैं। यह पवन के निक्षेपण कार्य का परिणाम है।
- इस प्रकार, विकल्प (b) सही है।

64. उत्तर : (a)

व्याख्या :

- **नदी डेल्टा :** नदी के द्वारा बहाकर लाये गए अवसादों के निक्षेप से बनी स्थलाकृति को डेल्टा कहते हैं। सर्वप्रथम डेल्टा शब्द का प्रयोग हेरोडोटस के द्वारा नील नदी के मुहाने पर निक्षेपात्मक स्थालाकृति के लिये किया गया था।
- डेल्टा निर्माण के लिये आवश्यक दशाएँ निम्नलिखित है:
  - ➤ नदी का आकर तथा आयतन अधिक होना।
  - ➤ नदी का मार्ग का लंबा होना।
  - ➤ अवसाद पदार्थ का आकर का बड़ा होना।
  - ➤ मुहाने के पास नदी का वेग का कम होना।
  - ➤ सागरीय लहरों का वेग कम होना।
  - ➤ नदी मुहाने के समीप ज्वार तरंगे का प्रभाव कम होना।
- जब नदी की मुख्यधारा द्वारा पदार्थो का निक्षेप बीच में अधिक होता है तो चापाकार डेल्टा का निर्माण होता है। इसका आकार धनुष के सामान अर्द्धवृताकार होता है। चापाकार डेल्टा का सर्वोत्तम उदाहरण- नील नदी डेल्टा, गंगा नदी का डेल्टा, राइन नदी का डेल्टा, नाईजर डेल्टा, इरावदी डेल्टा, वोल्गा डेल्टा, सिंध नदी का डेल्टा, मेकांग नदी का डेल्टा, आदि।
- पंजाकार डेल्टा का निर्माण उन बारीक कणों से होता है, जो जल के साथ घोल के रूप रहते है तथा जिनमें चूने की मात्रा अधिक होती है। इसका सर्वोत्तम उदाहरण मिसीसिपी का मुहाना है। अत: कथन 1 सही है।
- डेल्टा के विस्तार पर सागरीय लहरों का पर्याप्त प्रभाव होता है। सागरीय लहरों के अत्यधिक तीव्र प्रवाह के कारण अधिकांश सागरीय निक्षेप के बह जाने के कारण डेल्टा का निर्माण मंद गति से होता है। अत: कथन 2 सही **नहीं** है।
- इस प्रकार, विकल्प (a) सही है।

65. उत्तर : (d)

व्याख्या :

- 'एशियाई विकास आउटलुक' (ADO) रिपोर्ट एशियाई विकास बैंक द्वारा जारी की जाती है। यह एशियाई विकास बैंक के विकासशील सदस्य देशों पर वार्षिक आर्थिक रिपोर्टों की एक श्रृंखला है, जो आर्थिक एवं विकास के मुद्दों का व्यापक विश्लेषण प्रदान करता है। इसके तहत चीन एवं भारत सहित पूरे क्षेत्र के

Copyright @ Sanskriti IAS

देशों की मुद्रास्फीति तथा जी.डी.पी. विकास दर का पूर्वानुमान भी शामिल है। हालिया रिपोर्ट में वर्ष 2022-23 में भारत की जी.डी.पी. वृद्धि दर 7.5% तक रहने का अनुमान है।

- इस प्रकार, विकल्प (d) सही है।

66. उत्तर : (d)

व्याख्या :

- सकल घरेलू उत्पाद अपस्फीतिकारक किसी देश के चालू मूल्यों एवं स्थिर के जी.डी.पी. का औसत है। इसे निम्नलिखित सूत्र द्वारा मापा जाता है:

$$\text{जी.डी.पी. डिफ्लेटर} = \frac{\text{चालू मूल्यों पर जी.डी.पी.}}{\text{स्थिर मूल्यों पर जी.डी.पी.}} \times 100$$

- अत: कथन 1 सही है।
- इसकी सहायता से आधार वर्ष (जिस पर स्थिर मूल्यों की गणना की जाती है) तथा चालू वर्ष के मध्य जी.डी.पी. में मुद्रास्फीति के कारण हुई वृद्धि का आकलन किया जाता है। इसका उपयोग मुद्रास्फीति की माप के लिये भी किया जाता है जिस कारण इसे अंतर्निहित मूल्य डिफ्लेटर (implicit price deflator) भी कहा जाता है। विश्व के देशों द्वारा वैसे मूल्य वृद्धि की माप के लिये मुद्रास्फीति सूचकांकों का उपयोग किया जाता है लेकिन इन सूचकांकों के अंतर्गत देश में उत्पादित सभी वस्तुओं एवं सेवाओं को शामिल करना संभव नहीं हो पाता। चूँकि अपस्फीतिकारक के अंतर्गत 'डिफ्लेटर' देश में उत्पादित सभी वस्तुओं एवं सेवाओं को शामिल किया जाता है अत: इसे मुद्रास्फीति की माप का एक व्यापक पैमाना माना जाता है। अत: कथन 2 और 3 सही हैं।
- इस प्रकार, विकल्प (d) सही है।

67. उत्तर : (c)

व्याख्या :

राजस्व प्राप्तियाँ (Revenue Receipts) दो प्रकार की है:

(i) **कर राजस्व प्राप्तियाँ (Tax Revenue Receipts) :** इसके अंतर्गत प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष करों के संग्रह के माध्यम से प्राप्त सभी राजस्व आते हैं। जैसे- आयकर, कॉर्पोरेट कर, लाभांश कर, ब्याज कर, व्यय कर, जीएसटी, केंद्रीय उत्पाद शुल्क/सैनवैट, कस्टम ड्यूटी, एण्टी डंपिंग और काउन्टर वेलिंग ड्यूटी आदि।

(ii) **गैर-कर राजस्व प्राप्तियाँ (Non-Tax Revenue Receipts) :** वे प्राप्तियाँ जो करों के अतिरिक्त अन्य स्रोतों से प्राप्त होती हैं इसके अंतर्गत आते हैं-

(a) लाभ और लाभांश, जो सरकार को इसके सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों से मिलते हैं।

(b) सरकार द्वारा दिये गए सभी ऋणों, चाहे ये देश के अंदर दिये गए हों (आंतरिक ऋण) या देश के बाहर (बाहरी ऋण) पर मिलने वाला ब्याज। अर्थात् यह आय घरेलू और विदेशी मुद्रा में हो सकती है।

(c) वित्तीय सेवाओं से भी सरकार को आय की प्राप्ति होती है; जैसे- मुद्रा को छापने, डाक-टिकट को छापने इत्यादि।

(d) सामान्य सेवाओं से भी सरकार को आय की प्राप्ति होती है; जैसे- विद्युत वितरण, सिंचाई, बैंकिंग, बीमा, सामुदायिक सेवाएँ इत्यादि।

(e) फीस तथा जुर्माना से सरकार को हुई आय।

(f) सरकार द्वारा प्राप्त अनुदान- केंद्र सरकार के संदर्भ में यह हमेशा बाह्य होता है तथा राज्य सरकार के संदर्भ में यह हमेशा आंतरिक होता है।

(g) रिज़र्व बैंक द्वारा अंतरित अधिशेष।

- इस प्रकार, विकल्प (c) सही है।

68. उत्तर : (d)

व्याख्या :

- ऐसे देश जहाँ आय या पूंजीगत लाभ के लिये कर की दरें या तो शून्य हैं या बहुत कम हैं, उन्हें टैक्स हेवन कहा जाता है। इस कारण ये देश लोगों और कंपनियों को आकर्षित करते हैं। फर्मों और व्यक्तियों के लिये ऐसे देशों के साथ व्यापार करना भी कानूनी तौर पर सही माना जाता है, बशर्ते संबंधित कानून इसकी अनुमति देते हों।
- टैक्स हेवन की महत्त्वपूर्ण विशेषताएँ निम्नलिखित हैं:
  - ➤ शून्य या नाममात्र कर।
  - ➤ कर संबंधी जानकारी विदेशी कर अधिकारियों के साथ साझा न किया जाना।
  - ➤ लंबे समय तक स्थानीय उपस्थिति की अनिवार्यता नहीं होती है।
- इस प्रकार, विकल्प (d) सही है।

Copyright @ Sanskriti IAS

69. उत्तर : (a)

व्याख्या :

- सरकारी प्रतिभूतियाँ केंद्रीय और राज्य सरकारों द्वारा जारी की जाने वाली अनिवार्य रूप से व्यापार योग्य वित्तीय साधन हैं जो कर्ज के लिये सरकार के दायित्व को स्वीकार करते हैं। अत: कथन 1 सही है।
- रिज़र्व बैंक ने खुदरा निवेशकों को सरकारी प्रतिभूतियों (जी-सेक) में प्रत्यक्ष निवेश करने की सुविधा प्रदान करने हेतु केंद्रीय बैंक के आरबीआई रिटेल अकाउंट के द्वारा निवेश की अनुमति प्रदान की है। अत: कथन 2 सही **नहीं** है।
- इस प्रकार, विकल्प (a) सही है।

70. उत्तर : (a)

व्याख्या :

- मछुआरों की आजीविका में सुधार के लिये देश में पहली बार तमिलनाडु राज्य में समुद्री शैवाल (Seaweed) पार्क स्थापित किया जा रहा है। साथ ही रामेश्वरम और मंडपम में मछली के स्टॉक को बढ़ाने के लिये प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत समुद्र में गुणवत्ता वाली मछलियों को बढ़ाने वाली परियोजना भी लागू की जाएगी।
- कोल्ड स्टोरेज, मछली प्रसंस्करण संयंत्र की स्थापना एवं गहरे समुद्र में जलीय कृषि जैसी मत्स्य परियोजनाओं के लिये लगभग 20,000 करोड़ का निवेश किया जाना है।
- मछली पकड़ने पर प्रतिबंध अवधि के दौरान केंद्र सरकार की ओर से राहत सहायता के रूप में 1,500 रुपए प्रदान किये जाएंगे तथा मछुआरों के लिये एक बीमा योजना भी लागू की जाएगी।
- इस प्रकार, विकल्प (a) सही है।

71. उत्तर : (b)

व्याख्या :

- दिसम्बर, 1916 में भारतीय राष्ट्रीय कॉन्ग्रेस एवं अखिल भारतीय मुस्लिम लीग के मध्य लखनऊ समझौता किया गया। लखनऊ बैठक में कॉन्ग्रेस के उदारवादी और अनुदारवादी गुटों का पुन: मेल हुआ। इस समझौते के अंतर्गत कॉन्ग्रेस द्वारा मुस्लिम लीग की पृथक निर्वाचक मंडल की मांग स्वीकार की गई। मुहम्मद अली जिन्ना और बाल गंगाधर तिलक इस समझौते के प्रमुख नेतृत्वकर्ता थे, जबकि मदन मोहन मालवीय ने इसका विरोध किया था।
- इस समझौते के तहत कॉन्ग्रेस तथा मुस्लिम लीग दोनों ने स्वशासन को अपना राष्ट्रीय लक्ष्य घोषित किया।
- लखनऊ अधिवेशन में एक 19 सूत्रीय ज्ञापन पत्र प्रस्तुत किया गया, जिसके द्वारा सरकार के समक्ष निम्नलिखित मुख्य मांगें प्रस्तुत की गई-
  1. भारत को जल्द से जल्द स्वशासन प्रदान किया जाए।
  2. केंद्रीय विधान परिषदों, प्रांतीय विधान परिषदों तथा गवर्नर-जनरल की कार्यकारिणी परिषद् का विस्तार किया जाए तथा इन परिषदों में निर्वाचित भारतीयों की संख्या में वृद्धि की जाए।
  3. विधान परिषदों के कार्यकाल की अवधि 5 वर्ष होनी चाहिये, इत्यादि।
- अत: कथन 1 और 2 सही हैं किंतु कथन 3 सही **नहीं** है।
- इस प्रकार, विकल्प (b) सही है।

72. उत्तर : (c)

व्याख्या :

- ब्रिटिश सरकार ने लंदन में साइमन कमीशन के रिपोर्ट पर विचार करने के लिये गोलमेज सम्मेलन का आयोजन किया। प्रथम गोलमेज सम्मेलन (1930-31) में कॉन्ग्रेस ने प्रतिभाग नहीं किया। दलितों के प्रतिनिधि के रूप में शामिल आंबेडकर ने इस सम्मेलन में, पृथक निर्वाचन मंडल की मांग की। अत: कथन 1 एवं 2 दोनों सही है।
- इस प्रकार, विकल्प (c) सही है।

73. उत्तर : (a)

व्याख्या :

- 'इमिटेशन ऑफ क्राइस्ट' का बांग्ला भाषा में अनुवाद स्वामी विवेकानंद ने किया। था। यह पुस्तक मूलत: थॉमस केम्स द्वारा लिखी गयी थी।
- स्वामी विवेकानंद ने अपने लेखों तथा भाषाओं द्वारा नई पीढ़ी में आत्मगौरव की भावना जगाई। उनकी एक अन्य पुस्तक 'लेक्चर्स फॉस कोलंबो टू अल्मोडा' है जो उनके विविध भाषणों पर आधारित है।
- इस प्रकार, विकल्प (a) सही है।

Copyright @ Sanskriti IAS

74. उत्तर : (c)

व्याख्या :

- फरवरी 1946 को पेथिक लारेंस ने घोषणा की कि वह स्टेफोर्ड क्रिप्स और ए.वी. अलेक्जेंडर के साथ मिलकर वायसराय की सहायता से भारतीय नेताओं के साथ राजनीतिक मामले पर बातचीत करेगा। 24 मार्च, 1946 को शिष्टमंडल दिल्ली पहुँचा और भिन्न राजनितिक नेताओं से लंबी बातचीत हुई। इस शिष्ट मंडल ने पाकिस्तान के विचार को त्याग दिया। अत : कथन 2 सही है।

कैबिनेट मिशन के उद्देश्य

- भारत के लिये एक संविधान के निर्माण के संबंध में भारतीय नेताओं के साथ एक समझौता करना
- संविधान बनाने वाली एक संस्था (भारत की संविधान सभा) का खाका तैयार करना
- प्रमुख भारतीय दलों के समर्थन से एक कार्यकारी परिषद् की स्थापना करना अत: कथन 1 सही है।
- इस प्रकार, विकल्प (c) सही है।

75. उत्तर : (d)

व्याख्या :

- 'पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रन' कोविड आपदा से प्रभावित उन बच्चों की समस्याओं का समाधान करने का प्रयास है, जिन्होंने कोरोना काल में अपने माता-पिता दोनों को या दोनों में से किसी एक को या अपने कानूनी अभिभावक को खो दिया है। अत: कथन 1 सही है।
- केंद्रीय योजना के रूप में स्कॉलरशिप फॉर पीएम केयर्स चिल्ड्रन के तहत प्रभावित बच्चे के लिये 20,000/- रुपए प्रति वर्ष छात्रवृत्ति भत्ते का प्रावधान किया गया है। साथ ही, प्रभावित बच्चे के व्यावसायिक या उच्च शिक्षा के लिये शिक्षा ऋण का भी प्रावधान किया गया है। इसका वहन पीएम केयर्स फंड द्वारा किया जाएगा। अत: कथन 3 सही है।
- सभी बच्चों को आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री-जन आरोग्य योजना (AB PM-JAY) के तहत 5 लाख रुपए के स्वास्थ्य बीमा कवर का प्रावधान किया गया है। स्वास्थ्य बीमा का कवरेज 23 वर्ष की आयु प्राप्त करने तक प्रदान किया जाएगा। अत: कथन 2 सही है।
- इस प्रकार, विकल्प (d) सही है।

76. उत्तर : (d)

व्याख्या :

1. **पॉडज़ोल :** यह राख-स्लेटी रंग की होती है। जो कोणधारी उच्च अक्षांशीय प्रदेशों में पाई जाती है। इन प्रदेशों में लंबी शीत ऋतु, छोटी ग्रीष्म ऋतु तथा सारा वर्ष सामान्य वर्षा होती है। उपजाऊ तत्त्व निरन्तर रिस-रिसकर नीचे जाते रहते हैं जिसे अपक्षालन (Leaching) कहते हैं। पतली नुकीली पत्तियाँ मंद गति से सड़ती हैं और ह्यूमस का निर्माण धीमी गति से होता है। जीवाणुओं की क्रियाशीलता भी सीमित होती है। अत: यह मिट्टी अम्लीय तथा अनुपजाऊ होती है जो कृषि के लिये अधिक उपयोगी नहीं होती अत: युग्म 1 सही सुमेलित है।
2. **लाल मिट्टी :** यह उष्ण कटिबंधीय क्षेत्रों में पाई जाने वाली एक प्रकार की पेडलफर मिट्टी है। इन क्षेत्रों में उच्च तापमान तथा अधिक आर्द्रता होती है। इसलिये इसके घुलनशील तत्त्वों का अपक्षालन होता रहता है। इसमें लोहे का अंश अधिक होता है जिस कारण इसका रंग लाल हो जाता है। कहीं-कहीं यह पीले रंग की भी होती है। जैविक पदार्थ की अधिकता होने पर भी कीटाणुओं की तेज क्रियाशीलता से ह्यूमस का उपभोग हो जाता है और ह्यूमस की मात्रा कम हो जाती है। इसमें कैल्शियम की भी कमी होती है। यह अम्लीय भी होती है। इसमें कपास, तंबाकू और बाजरे की कृषि की जाती है। अत: युग्म 4 सही सुमेलित है।
3. **लेटेराइट मिट्टी :** यह मिट्टी भूमध्यरेखीय एव सवाना जलवायु वाले क्षेत्रो में पाई जाती है यहाँ की जलवायु उष्ण तथा आर्द्र होती है। अधिक वर्षा के कारण बहुत से उपजाऊ तत्त्व रिसकर नीचे चले जाते है। इस प्रकार यह मिट्टी बहुत ही अपक्षलित होती है जिसमें ह्यूमस का पूर्णतया अभाव होता है। इस मिट्टी की उपरी परत में लोहे एवं एल्युमीनियम ऑक्साइड के निक्षेप मिलते है। इस मिट्टी में बॉक्साइट, लिमोनाइट तथा मैग्नेटाइट आदि खनिज पाए जाते हैं। यह मिट्टी कृषि के लिये उपयुक्त नहीं है। अत: युग्म 2 सही सुमेलित है।
4. **चरनोजम मिट्टी :** यह अर्द्धमरुस्थलीय जलवायु में पाई जाती है। इसमें ह्यूमस तथा कैल्शियम की मात्रा अधिक होती है। वर्षा कम होने के कारण इस मिट्टी का अपक्षालन नहीं होता। वाष्पीकरण अधिक होने के कारण वृक्ष नहीं उगते। परंतु भुर-भुरी होने के कारण कृषि के लिये बहुत उपयोगी होती है। वर्षों के प्रयोग के बाद भी इसे उर्वरक की कम आवश्यकता होती है।

Copyright @ Sanskriti IAS

इसमें अधिक आर्द्रता ग्रहण करने की क्षमता होती है जिससे इस मिट्टी में सिंचाई की आवश्यकता कम होती है। यह मिट्टी गेहूँ की कृषि के लिये विशेष रूप अनुकूल है। अत: युग्म 3 सही सुमेलित है।

- इस प्रकार, विकल्प (d) सही है।

77. उत्तर : (d)

व्याख्या :

- पृथ्वी के आतंरिक परतों से निस्तृत पदार्थ जब ज्वालामुखी छिद्र के चारो तरफ क्रमश: जमा होने लगते हैं तो ज्वालामुखी शंकु का निर्माण होता है। इसके निर्माण में जब सिलिका की मात्रा कम होती है तो उससे पैठिक लावा शंकु की उत्पति होती है और मुख्य ज्वालामुखी नली से छोटी-छोटी नलिकाएँ भी निकलती हैं जिससे होकर गर्म गलित मैगमा छोटे-छोटे शंकु का निर्माण होता है।
- ज्वालामुखी पर्वत के शीर्ष पर छिद्र होता है जो ज्वालामुखी नली से जुड़ा होता है, ज्वालामुखी छिद्र कहलाता है। ज्वालामुखी छिद्र के विस्तृत रूप को ज्वालामुखी क्रेटर कहते हैं। जब धसाव या अन्य कारणों से ज्वालमुखी का विस्तार अत्यधिक हो जाता है तो उसे काल्डेरा कहते हैं।
- इस प्रकार, विकल्प (d) सही है।

78. उत्तर : (a)

व्याख्या :

आग्नेय चट्टान वह चट्टान है जिसका निर्माण ज्वालामुखी से निकले मैग्मा या लावा से होता है जब तप्त एवं तरल मैग्मा ठंडा होकर जम जाता है और ठोस अवस्था को प्राप्त कर लेता है तो इस प्रकार की चट्टानों का निर्माण होता है। इसके प्रमुख प्रकार निम्नलिखित हैं-

1. अम्ल प्रधान शैल

- सिलिका की मात्रा 65-85 प्रतिशत
- कवाटार्ज तथा फेल्सफर की मात्रा अधिक होती है
- लोहे तथा मैग्नीशियम की मात्रा कम होती है।
- प्रमुख उदाहरण-ग्रेनाइट

2. बेसिक आग्नेय शैल

- सिलिका की मात्रा 45-60 प्रतिशत
- लोहे-मैग्नीशियम की अधिकता होती है।
- फेल्सफार की कमी।
- प्रमुख उदहारण-बेसाल्ट, ग्रेबो

3. मध्यवर्ती शैल

- सिलिका की मात्रा एसिड तथा बेसिक चट्टानों के बीच होती है।
- प्रमुख उदहारण-डायोराइट, एन्डेसाइट

4. अल्ट्राबेसिक चट्टान

- इसमें सिलिका की मात्रा 45 प्रतिशत से कम होती है।
- प्रमुख उदहारण : पेरिड़ोटाइट
- **डाइक**- डाइक एक दीवार की तरह आग्नेय शैल का आंतरिक रूप ही होता है। यह लंबवत होता है। मोटाई में यह कुछ सेंटीमीटर से लेकर सैंकड़ों मीटर का होता

- इस प्रकार, विकल्प (a) सही है।

79. उत्तर : (c)

व्याख्या :

- **कराकल्पक :** यह उजेब्किस्तान का एक प्रांत है। हाल ही में इसकी राजधानी नुकस में शुरू हुए हिंसक विरोध प्रदर्शन के पश्चात यहाँ आपातकाल लागू कर दिया गया है। अत: युग्म 1 सही सुमेलित है।
- **हैंस द्वीप :** हाल ही में कनाडा, डेनमार्क एवं गीनलैंड के मध्य हैंस द्वीप शांति समझौता संपन्न हुआ है। हैंस द्वीप आर्कटिक सागर में स्थित है। अत: युग्म 2 सही सुमेलित है।
- **एजियन द्वीप :** पूर्वी भूमध्य सागर में एजियन द्वीप समूह स्थित है। यह तुर्की और ग्रीस के मध्य विवाद के कारण चर्चा में रहा। अत: 3 उसे सुमेलित **नहीं** है।
- **अददू एटॉल :** विदेश मंत्री एस जयशंकर ने हिंद महासागर द्वीपसमूह के सबसे दक्षिणी द्वीप अददू एटोल में गण द्वीप (मालदीव) पर द्वितीय विश्व युद्ध स्मारक का दौरा किया। अत: युग्म 4 सुमेलित **नहीं** है।
- इस प्रकार, विकल्प (c) सही है।

Copyright @ Sanskriti IAS

80. उत्तर : (c)

व्याख्या :

- जल जीवन मिशन: यह एक केंद्र प्रायोजित योजना है, जिसका उद्देश्य वर्ष 2024 तक पूरे देश में प्रत्येक ग्रामीण परिवार तक पाइप के माध्यम से जलापूर्ति सुनिश्चित करना है। आपूर्ति किये जाने वाले जल की मात्रा 55 लीटर प्रति व्यक्ति प्रतिदिन निर्धारित की गई है। इसके अतिरिक्त यह मिशन, ग्रामीण क्षेत्रों में वर्षा जल के संरक्षण, भू-जल पुनर्भरण, अपशिष्ट जल प्रबंधन तथा उसके कृषि क्षेत्र में उपयोग आदि गतिविधियों पर भी ध्यान केंद्रित करता है
- इस मिशन का क्रियान्वयन केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय के 'पेयजल एवं स्वच्छता विभाग' द्वारा किया जा रहा है। यह कार्यक्रम 'समुदाय आधारित दृष्टिकोण' पर संचालित हो रहा है क्योंकि इसके तहत ग्रामीण स्तर पर एक 'ग्राम जल व स्वच्छता समिति' (पानी समिति) के गठन का भी प्रावधान है। अत: कथन 3 सही **नहीं** है।
- यह सतत् विकास लक्ष्य 6 के अनुरूप है। इसके तहत सर्वाधिक कार्यात्मक घेरलू शौचालय कवरेज पंजाब, गुजरात और हिमाचल प्रदेश है। जबकि न्यूनतम कवरेज में राजस्थान, छतीसगढ़, झारखण्ड और उत्तर प्रदेश है। अत: कथन 1 सही है तथा कथन 2 सही **नहीं** है।
- इस प्रकार, विकल्प (c) सही है।

81. उत्तर : (c)

व्याख्या :

प्राथमिकता क्षेत्रक ऋण को रोजगार सृजन करने वाले प्रमुख क्षेत्रों जैसे कृषि और एम.एस.एम.ई. के साथ-साथ विशेष रूप से कमजोर वर्गों तक ऋण की पहुँच व ऋण का पर्याप्त प्रवाह सुनिश्चित करने के उद्देश्य से शुरू किया गया था प्राथमिकता क्षेत्र में निम्नलिखित क्षेत्र शामिल हैं-

- कृषि, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग, निर्यात ऋण, शिक्षा और आवास, सामाजिक संरचना, नवीकरणीय ऊर्जा और अन्य प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र को ऋण का निरंतर प्रवाह सुनिश्चित करने के लिये, बैंकों के अनुपालन की निगरानी 'तिमाही' आधार पर की जाएगी। अत: कथन 2 सही है।
- प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र को ऋण देने में किसी भी तरह की कमी वाले बैंकों को नाबार्ड के साथ स्थापित ग्रामीण बुनियादी ढाँचा विकास निधि और आरबीआई द्वारा घोषित अन्य फंडों जैसे एनएचबी/मुद्रा/सिडबी आदि में योगदान करना होगा। अत: कथन 1 सही है।
- इस प्रकार, विकल्प (c) सही है।

82. उत्तर : (d)

व्याख्या :

देशभर के बैंकों के उधार देने की ब्याज दर को तय करने के लिये नई विधि अपनाई है। इस विधि का नाम है-एमसीएलआर (मार्जिनल कॉस्ट ऑफ फंड्स बेस्ड लेंडिंग रेट-धन की सीमांत लागत के आधार पर ऋण दर)। एमसीएलआर की मुख्य विशेषताएँ निम्न हैं:

- यह समय आधारित आंतरिक बेंचमार्क होगा, जिसे सालाना तौर पर तय किया जा सकता है। अत: कथन 1 सही **नहीं** है।
- मौजूदा कर्जदार को उसके चुनने का विकल्प होगा अत: बाध्यकारी नहीं है। अत: कथन 2 सही **नहीं** है।
- इसकी प्रत्येक महीने समीक्षा होती है।

भारतीय रिज़र्व बैंक के मुताबिक एमसीएलआर से निम्नांकित फायदे होंगे :

- पॉलिसी रेट की दर पर ही बैंकों की ब्याज दर भी होती है।
- बैंकों के ब्याज दर निर्धारित करने की प्रक्रिया ज्यादा पारदर्शी होती है।
- कर्ज का मूल्य लेने वाले उपभोक्ताओं के साथ-साथ बैंक के लिये भी अनुकूल होते है।
- इसके जरिये बैंक ज्यादा प्रतिस्पर्द्धा होकर काम कर पाएंगे और ये लंबी अवधि के लिहाज से उनके लिये भी बेहतर होता है।
- इस प्रकार, विकल्प (d) सही है।

83. उत्तर : (b)

व्याख्या :

- जब कोई देश संरचनात्मक कमजोरियों के कारण भुगतान संतुलन की गंभीर समस्याओं का सामना करता है, जिसे दूर करने के लिये फंड की आवश्यकता होती है, तो आईएमएफ एक विस्तारित कोष सुविधा (ईएफएफ) के माध्यम से सहायता कर सकता है। अत: कथन 1 सही **नहीं** है।
- विस्तारित व्यवस्थाओं को आम तौर पर तीन साल की अवधि के लिये अनुमोदित किया जाता है, लेकिन गहरे और निरंतर संरचनात्मक सुधारों को लागू करने के लिये 4 साल तक की अवधि के लिये अनुमोदित किया जा सकता है। विस्तारित कोष सुविधा के तहत आहरित राशि का भुगतान साढ़े चार से दस वर्षों में 12 समान अर्धवार्षिक किश्तों में किया जाता है अत: कथन 2 सही है।
- इस प्रकार, विकल्प (b) सही है।

Copyright @ Sanskriti IAS

84. उत्तर : (a)

व्याख्या :

- **पिगोवियन कर :** इस कर का नाम 1920 के ब्रिटिश अर्थशास्त्री आर्थर सी. पिगो के नाम पर रखा गया यह उस लेनदेन पर लगाया जाता है, जिनमें नकारात्मक बाह्यता होती है जिससे प्रदूषण होता है। बाह्यता का अर्थ है आर्थिक लेनदेन से किसी बाहरी व्यक्ति (तीसरे पक्ष) के कल्याण पर पड़ने वाला प्रभाव। उदाहरण के लिये, पेट्रोल के विक्रेता और उपभोक्ता मिलकर प्रदूषण से तीसरे व्यक्ति को नुकसान पहुँचाते हैं जिसमें तंबाकू कर, चीनी कर और कार्बन कर शामिल है।
- **टोबन कर :** विदेशी मुद्रा की लेन-देन पर आरोपित कर है।
- **गाफा कर :** बड़ी प्रौद्योगिकी और इन्टरनेट कंपनियों पर प्रस्तावित डिजिटल कर है।
- **न्यूनतम वैकल्पिक कर :** कोई कर योग्य आय न दिखाने वाली कंपनी पर लगने वाला कर है।
- इस प्रकार, विकल्प (a) सही है।

85. उत्तर : (a)

व्याख्या :

- रामसे हंट सिंड्रोम वैरिकाला जोस्टर वायरस (वीजेडवी) के कारण होता है, वही वायरस जो बच्चों में चिकनपॉक्स और वयस्कों में दाद (हर्पीस जोस्टर) का कारण बनता है। रामसे हंट सिंड्रोम में, पहले (निष्क्रिय) वैरिसेला-जोस्टर वायरस फिर से सक्रिय हो जाता है और चेहरे की तंत्रिका को प्रभावित करने के लिये फैलता है। अत : कथन 1 सही है।
- इससे ग्रसित होने पर पक्षाघात तथा श्रवण संबंधी समस्या होती है। अत : कथन 2 सही है।
- रामसे हंट सिंड्रोम एक दुर्लभ न्यूरोलॉजिकल विकार है जो आमतौर पर 60 वर्ष से अधिक उम्र के वयस्कों को प्रभावित करता है। अत: कथन 3 सही **नहीं** है।
- इस प्रकार, विकल्प (a) सही है।

86. उत्तर : (a)

व्याख्या :

- मोहम्मद गोरी ने कुतुबद्दीन ऐबक को हॉसी का इक्तादार बनाया था किंतु दिल्ली सल्तनत में वास्तविक रूप से इल्तुतमिश ने इक्ता व्यवस्था स्थापित की थी, जिसमें सुल्तानों ने अपने प्रशासनिक, सैनिक व भू राजस्व व्यवस्था का संगठन किया।
- दिल्ली सल्तनत की स्थापना के पश्चात् तुर्कों ने दूर-दूर तक प्रदेशों को विजित कर लिया। उनके सामने समस्या थी कि किस तरह से विजित प्रदेशों में कानून एवं व्यवस्था स्थापित की जाए और किस तरह भू राजस्व एवं दूसरे कर वसूले जाए। आरंभिक तुर्कों के सामने मंगोलो के आक्रमण से निपटने की भी गंभीर समस्या थी तथा इसके लिये आवश्यक था कि राज्य की आय के साधनों पर प्रशासन का अधिकार हो। इन कारणों के अतिरिक्त एक और महत्त्वपूर्ण कारण उस समय की परिस्थितियों में तुर्की सैनिकों के एक वर्ग को संतुष्ट करना था। सैन्य अधिकारियों को बड़े बड़े इलाके इक्ता के रूप में देकर संतुष्ट कर दिया। जिससे उन्हें प्रशासन करने के लिये क्षेत्र मिला और खराज की वसूली का अधिकार मिला। सुल्तान को प्रशासन चलाने के लिये एक सेना की आवश्यकता थी। इक्ता प्रणाली लागू करने के उद्देश्य में निहित था कि दिल्ली सल्तनत के राजनीतिक ढाँचे में निहित एकता को तत्काल कोई खतरा पैदा ना हो। अत: कथन 1 सही है।
- बलबन ने इक्ता भूमि की आय के आकलन के लिये ख्वाजा नामक अधिकारी की नियुक्ति की। अत: कथन 2 सही **नहीं** है।
- इस प्रकार, विकल्प (a) सही है।

87. उत्तर : (a)

व्याख्या :

महायान

- बौद्ध धर्म का यह संप्रदाय बुद्ध को देवता के रूप में मानता है तथा मूर्ति पूजा में विश्वास करता है। इनका उद्भव उत्तरी भारत और कश्मीर में हुआ तथा वहाँ से मध्य एशिया, पूर्वी एशिया एवं दक्षिण-पूर्व एशिया के कुछ क्षेत्रों में फैल गए।
- महायान मंत्रों में विश्वास करता है। इसके सिद्धांत बुद्ध एवं बोधिसत्त्वों की 'प्रकृति के अवतार' के अस्तित्व पर आधारित हैं। यह बुद्ध में विश्वास रखने और स्वयं को उनके प्रति समर्पित करने के माध्यम से मोक्ष प्राप्ति की बात करता है। अत: कथन 1 सही है।
- प्रज्ञापारमिता महायान धर्म से संबंधित है। इसका सबसे पहले प्रचार मंजुश्री ने किया था। इसका चीनी भाषा में अनुवाद लोकरक्षित ने किया था। यह बुद्ध एवं उनके शिष्य संभूति के परस्पर संवाद पर आधरित है। अत: कथन 2 सही **नहीं** है।

Copyright @ Sanskriti IAS

- **पातिमोक्ख :** बौद्ध धर्म के विनयपिटक के पातिमोक्ख (प्रतिमोक्ष) ग्रंथ में अनुशासन संबंधी नियमों तथा उनके उल्लंघनों पर किये जाने वाले प्रायश्चितों का संकलन है।
- पातिमोक्ख बौद्ध भिक्षुक संहिता है। पातिमोक्ख 227 नियमों का एक संग्रह है जो भिक्षुओं व भिक्षुणियों के जीवन की गतिविधियों पर नियंत्रण रखता है। अत: कथन 3 सही **नहीं** है।
- इस प्रकार, विकल्प (a) सही है।

88. उत्तर : (b)

व्याख्या :

- क्रांतिकारी साम्यवादी दल का गठन 1942 में सौमेंद्रनाथ टैगोर द्वारा किया गया था। अत: युग्म 1 सही सुमेलित **नहीं** है।
- एम.एन.राय ने मार्क्सवाद से निराश होकर अतिवादी लोकतंत्र दल का गठन 1940 में किया। अत: युग्म 2 सही सुमेलित है।
- भारतीय बोल्शेविक दल का गठन 1939 में एन.दत्त. मजूमदार द्वारा किया गया। अत: युग्म 3 सही सुमेलित है।
- इस प्रकार, विकल्प (b) सही है।

89. उत्तर : (c)

व्याख्या :

- संत कबीर दास का जन्म उत्तर प्रदेश के वाराणसी शहर में हुआ था। वह 15वीं शताब्दी के रहस्यवादी कवि, संत और समाज सुधारक तथा भक्ति आंदोलन के प्रस्तावक थे। कबीर की विरासत अभी भी 'कबीर का पंथ' (एक धार्मिक समुदाय जो उन्हें संस्थापक मानता है) नामक पंथ के माध्यम से चल रही है।
- उनका प्रारंभिक जीवन एक मुस्लिम परिवार में बीता, परंतु वे अपने शिक्षक, हिंदू भक्ति संत रामानंद से काफी प्रभावित थे।
- कबीर दास के लेखन का भक्ति आंदोलन पर बहुत प्रभाव पड़ा तथा इसमें कबीर ग्रंथावली, अनुराग सागर, बीजक और सखी ग्रंथ जैसे शामिल हैं। उनके छंद सिख धर्म के गुरु ग्रंथ साहिब में पाए जाते हैं।
- संत कबीरदास ने स्थानीय भाषाओं में ईश्वर के लिये भक्ति गीत गाए, जिसमें वर्ण व्यवस्था को समाप्त करने और हिंदू मुस्लिम एकता के लिये उपदेश भी शामिल थे। अत: कथन 1 सही है।
- संत कबीरदास हिन्दुओं के लिये एक वैष्णव संत है जबकि मुसलमानों के मध्य वे एक सूफी संत के रूप में प्रसिद्ध है। अत: कथन 2 सही **नहीं** है।
- संत कबीर उपनिषदिक् द्वैतवाद और इस्लामिक एकतत्त्ववाद से गहरे प्रभावित थे। अत: कथन 3 सही है।
- इस प्रकार, विकल्प (c) सही है।

90. उत्तर : (b)

व्याख्या :

- वर्ष 2022 में UNCCD का 15वाँ सत्र (COP-15) कोटे डी आद्ववर ने पहली बार सोफिटेल आबिदजान में विषय 'लैंड लाइफ लिगेसी फ्रॉम स्केर्सिटी टू प्रोस्पेरिटी' पर अयोजित किया गया था।
- संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन टू कॉम्बैट डेजर्टिफिकेशन (UNCCD), 1994 में अपनाया गया, पर्यावरण और विकास को स्थायी भूमि प्रबंधन से जोड़ने वाला एकमात्र कानूनी रूप से बाध्यकारी अंतर्राष्ट्रीय समझौता है अत: कथन 1 सही है।
- एसडीजी 15 का संबंध स्थलीय पारिस्थितिकी प्रणालियों के सतत उपयोग की रक्षा, पुनर्स्थापना और बढ़ावा देना, जंगलों का स्थायी प्रबंधन करना, मरुस्थलीकरण का मुकाबला करना, भूमि क्षरण और जैव विविधता के नुकसान को रोकना है। अत: कथन 2 सही **नहीं** है।
- आबिदजान घोषणा का संबंध मरुस्थलीकरण के खिलाफ लड़ाई के संदर्भ में महिलाओं के खिलाफ सभी प्रकार के भेदभाव को पहचानने और समाप्त करने के लिये सभी आवश्यक उपायों को बढ़ावा देना है। अत: कथन 3 सही है।
- इस प्रकार, विकल्प (b) सही है।

91. उत्तर : (a)

व्याख्या :

- **पक्षाभ बादल (Cirrus Clouds) :** ये सबसे अधिक ऊँचाई पर प्राय: बिखरे रूप में रेशम के सदृश दिखते हैं, क्योंकि इनका निर्माण छोटे-छोटे हिमकणों द्वारा होता है, जिनसे होकर सूर्य की किरणें गुजरती हैं तथा श्वेत रंग हो जाता है, परंतु सायंकाल कई रंग हो जाते हैं। जब ये मेघ असंगठित तथा छितराये रूप में होते हैं तब साफ मौसम की सूचना होती है, परंतु जब संगठित होकर विस्तृत क्षेत्र में फैल जाते हैं तब खराब मौसम अवश्यम्भावी हो जाता है।
- **पक्षाभ स्तरी बादल (Cirro-stratus Clouds) :** ये प्राय: श्वेत वर्ण के होते हैं जो आकाश में एक पतली दुधिया रंग की चादर

Copyright @ Sanskriti IAS

के समान फैले रहते हैं। इनके आगमन पर सूर्य तथा चन्द्रमा के चारों ओर प्रभा मण्डल (halo) बन जाता है, जो कि निकट भविष्य में चक्रवात के आगमन की सूचना देते है। यह उच्च बादल की श्रेणी में आते है लेकिन यह पक्षाभ बादल से कम ऊँचे होते है।

- **उच्च कपासी बादल (Alto-cumulus clouds) :** ये पक्षाभ कपासी मेघों के समान ही गोलाकार रूप में पंक्तियों या लहरों में पाये जाते हैं, अंतर केवल ऊँचाई का तथा इनके विस्तृत क्षेत्र का ही है। यह मध्यम ऊंचाई के बादल है।
- **स्तरी बादल (Stratus Clouds) :** ये बादल प्राय: कुहरे के समान होते हैं परंतु धरातल से सटे नहीं होते हैं। इनकी रचना कई समान परतों से होती है। इनका निर्माण दो विपरीत स्वभाव वाली हवाओं के मिलने से प्राय: शीतोष्ण कटिबंध में सर्दियों में होता है। यह निम्न ऊँचाई के बादल है।
- इस प्रकार, विकल्प (a) सही है।

92. उत्तर : (b)

व्याख्या :

- ईकोप्रेन्योरशिप एक शब्द है जिसे उद्यमिता के सिद्धांतों की प्रक्रिया का प्रतिनिधित्व करने के लिये गढ़ा गया है, जो ऐसे व्यवसाय बनाने के लिये लागू किया जा रहा है जो पर्यावरणीय समस्याओं को हल करते हैं या स्थायी रूप से संचालित होते हैं
- उत्तराखंड प्रकृति आधारित रोजगार के अवसर सृजित करने के लिये एक लाख ईकोप्रेन्योर तैयार करने की घोषणा करने वाला देश का पहला राज्य है। अत: कथन 1 सही **नहीं** है
- इन्हें 3 वित्तीय वर्ष के दौरान चरणबद्ध तरीके से ट्रेनिंग प्रदान की जायेगी। इसके अंतर्गत स्थानीय लोगों को प्राकृतिक संसाधन संरक्षण के लिये प्रोत्साहित किया जाता है। इसके तहत विभिन्न पर्यावर्णीय चुनौतियों के उच्च समाधान खोजने पर ध्यान केंद्रित किया जाता है। अत: कथन 2 सही है।
- इस प्रकार, विकल्प (b) सही है।

93. उत्तर : (b)

व्याख्या :

गर्म जलधारा दक्षिणी गोलार्ध के तुलना में उत्तरी गोलार्ध को अधिक प्रभावित करती है। गल्फस्ट्रीम जैसी गर्म जलधारा अटलांटिक महासागर के दोनों तटों को प्रभावित करती है। अत: कथन 1 सही **नहीं** है।

क्यूरोशियो जलधारा

- यह जलधारा अंध महासागर की गल्फस्ट्रीम जलधारा के जैसी गर्म है। उत्तरी विषुवतरेखीय जलधारा फिलीपींस द्वीप के नजदीक व्यापारिक पवनों के प्रभाव से उत्तर की ओर मुड़ जाती है। मध्य चीन के सहारे बढ़ते हुई यह जापान के पूर्वी तट पर पहुँचती है।
- यहाँ पर पछुआ हवाओं के प्रभाव में आने से पहले मुड़कर आगे उत्तरी प्रशांत प्रवाह कहलाती है।
- वैंकुवर द्वीप (Vancouver Island) के समीप यह धारा दो शाखाओं में बँट जाती है। एक शाखा उत्तर की ओर अलास्का तट के सहारे- बहती हुई पुन: उत्तरी प्रशांत प्रवाह में मिल जाती है। इसे अलास्का की धारा कहते हैं। दूसरी शाखा दक्षिण की ओर कैलफोर्निया की ठंडी धारा से मिल जाती है। अत: कथन 2 सही है।
- इस प्रकार, विकल्प (b) सही है।

94. उत्तर : (a)

व्याख्या :

महाद्वीपीय मग्नतट

- पारिस्थितिकीय दृष्टि से महाद्वीपीय मग्नतट अत्यधिक महत्त्वपूर्ण होते हैं क्योंकि ये सागरीय जीवों (सागरीय पौधे तथा जंतु) के लिये आदर्श आवास प्रदान करते हैं।
- ये तूफान तरंगों तथा सुनामी के अधिकांश विनाशकारी बलों को अवशोषित करके उन्हें कमजोर बना देती हैं तथा तटीय लोगों की रक्षा करती हैं।
- महाद्वीपय सीमा : यह महाद्वीपय किनारों और गहरे समुद्री बेसिन के बीच का भाग है। इसमें महाद्वीपीय मग्नतट, महाद्वीपीय मग्नढाल, महाद्वीपीय खाइयाँ आदि शामिल है। अत: उपरोक्त विशेषताएँ महाद्वीपीय मग्नतट के संदर्भ में सही है।

वितलीय मैदान

- यह विस्तृत मैदान महाद्वीपीय तटों व मध्य महासागरीय कटकों के बीच पाए जाते है। जहाँ महाद्वीपों से बहाकर लाये गए अवसाद इनके तटो से दूर निक्षेपित होते है।

मध्य महासागरीय कटक

- यह आपस में जुड़ी हुई पर्वतों की एक श्रंखला है। इन कटको के मध्यवर्ती शिखर पर एक रिफ्ट, एक प्रभाजक पठार और इसकी लंबाई के साथ-साथ पार्श्व मंडल की विशेषता है।

Copyright @ Sanskriti IAS

महासागरीय गर्त

- यह महासागर के सबसे गहरे भाग होते हैं। यह गर्त अपेक्षाकृत खड़े किनारे वाले संकीर्ण बेसिन होते हैं। अपने चारो ओर की महासागरीय तली की अपेक्षा ये 3 से 5 किमीं तक गहरे होते हैं।
- इस प्रकार, विकल्प (a) सही है।

95. उत्तर : (c)

व्याख्या :

- ओडेसा (Odessa) यूक्रेन (Ukraine) देश का तीसरा सबसे अधिक आबादी वाला शहर है (Third Most Populous City of Ukraine)। साथ ही दक्षिण-पश्चिम में काला सागर के उत्तर-पश्चिमी तट पर स्थित एक प्रमुख पर्यटन केंद्र, बंदरगाह और परिवहन केंद्र है। यह शहर ओडेसा रायन (Odessa Raion) और ओडेसा ओब्लास्ट (Odessa Oblast) का प्रशासनिक केंद्र है और एक बहुजातीय सांस्कृतिक केंद्र है। ओडेसा को 'ब्लैक सी का मोती' (Pearl of the Black Sea), और 'साउथ कैपिटल' (The South Capital) भी कहा जाता है। अत : कथन 1 और 2 दोनों सही है।
- 1794 में, ओडेसा शहर की स्थापना रूसी महारानी कैथरीन द ग्रेट के एक फरमान द्वारा की गई थी (Russian empress Catherine the Great)। 1819 से 1858 तक, ओडेसा एक मुक्त बंदरगाह था। सोवियत काल के दौरान, यह सोवियत संघ और सोवियत नौसैनिक अड्डे में व्यापार का सबसे महत्त्वपूर्ण बंदरगाह रहा था। 1 जनवरी 2000 को, ओडेसा वाणिज्यिक समुद्री बंदरगाह पर क्वारंटाइन पियर को 25 वर्षों की अवधि के लिए एक मुक्त बंदरगाह और मुक्त आर्थिक क्षेत्र घोषित किया गया था (History Odessa)।
- ओडेसा गर्म पानी का बंदरगाह है (Odessa Warm-Water Port)। ओडेसा के बंदरगाह और शहर के उपनगरों में स्थित एक महत्त्वपूर्ण तेल टर्मिनल पोर्ट युजने की मेजबानी करता है। ओडेसा के दक्षिण-पश्चिम में एक और उल्लेखनीय बंदरगाह, चोरनोमोर्स्क है जो उसी ओब्लास्ट में स्थित है। वे रेलवे के साथ एकीकृत एक प्रमुख परिवहन केंद्र का प्रतिनिधित्व भी करता हैं। ओडेसा की तेल और रासायनिक प्रसंस्करण सुविधाएँ रणनीतिक पाइपलाइनों द्वारा रूसी और अन्य यूरोपीय नेटवर्क से जुड़ी हुई हैं (Odessa Economy)।
- इस प्रकार, विकल्प (c) सही है।

96. उत्तर : (d)

व्याख्या :

उच्च आवृत्ति संकेतक

- इन संकेतकों को वित्त मंत्रालय की मासिक आर्थिक रिपोर्ट में नियमित रूप से प्रकाशित किया जाता है और इस अध्याय के अंत में एक पूरी सूची अनुबंध में दी गई। अत: कथन 1 सही है।
- सरकार ने सार्वजनिक और निजी दोनों स्रोतों से उद्योग, सेवाओं, वैश्विक प्रवृत्तियों, वृहद्-आर्थिक स्थिरता संकेतकों और कई अन्य गतिविधियों का प्रतिनिधित्व करने वाले एचएफआई की एक शृंखला का लाभ उठाया है ताकि रीयल टाईम आधार पर अर्थव्यवस्था की अंतर्निहित स्थिति का आकलन किया जा सके। अत: कथन 2 सही है।
- इनमें गतिशीलता आँकड़े, बिजली उत्पादन, ई-वे बिल, यू.पी.आई लेन-देन, अनुसूचित घरेलू उड़ानें, वित्तीय लेनदेन की मात्रा/मूल्य, पूंजीगत प्रवाह आदि शामिल हैं। इसमें ग्रामीण रोजगार की स्थिति, विशेष रूप से प्रवासी श्रमिकों के संदर्भ में, मनरेगा के तहत मांगे गए रोजगार को भी शामिल किया गया है अत: कथन 3 सही है।
- इस प्रकार, विकल्प (d) सही है।

97. उत्तर : (c)

व्याख्या :

- हाल ही में 'राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण' (एनटीसीए) ने छत्तीसगढ़ सरकार के गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान और तमोर पिंगला वन्यजीव अभयारण्य के संयुक्त क्षेत्रों को टाइगर रिज़र्व घोषित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। मध्य प्रदेश और झारखंड की सीमा से लगे छत्तीसगढ़ के उत्तरी भाग में स्थित गुरु घासीदास टाइगर रिज़र्व उदंती-सीतानदी, अचानकमार और इंद्रावती टाइगर रिज़र्व के बाद छत्तीसगढ़ का चौथा टाइगर रिज़र्व है। गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान छत्तीसगढ़ कोरिया जिले में है। अत: युग्म 1 सही सुमेलित है।
- मुदुमलाई टाइगर रिज़र्व तमिलनाडु राज्य के नीलगिरि जिले में तीन राज्यों (कर्नाटक, केरल और तमिलनाडु) के त्रि-जंक्शन पर स्थित है। इसका क्षेत्रफल 321 वर्ग किमी. है। यह वर्ष 1986 में घोषित भारत के पहले बायोस्फीयर रिज़र्व (नीलगिरि बायोस्फीयर रिज़र्व) का हिस्सा है। अत: युग्म 2 सही सुमेलित **नहीं** है।

Copyright @ Sanskriti IAS

- अन्नामलाई टाइगर रिज़र्व, तमिलनाडु के चार टाइगर रिज़र्व में से एक है। यह दक्षिणी पश्चिमी घाट (का हिस्सा है। यह वर्ष 2003 में घोषित अनामलाई परंबिकुलम एलीफेंट रिज़र्व का हिस्सा है। यह पूर्व में चिनार वन्यजीव अभयारण्य और दक्षिण-पश्चिमी में एराविकुलम नेशनल पार्क तथा परम्बिकुलम टाइगर रिज़र्व से घिरा हुआ है। अत: युग्म 3 सही सुमेलित है।
- राजस्थान के बूंदी जिले में स्थित रामगढ़ विषधारी अभयारण्य को देश का 52वां टाइगर रिज़र्व घोषित किया गया है। अत: युग्म 4 सही सुमेलित **नहीं** है।
- इस प्रकार, विकल्प (c) सही है।

98. उत्तर : (c)

व्याख्या :

- लिडार, एक लेजर बीम, आमतौर पर एक हवाई जहाज से, वस्तु पर प्रेषित करके किसी वस्तु की दूरी और प्रकाश को ट्रांसमीटर पर वापस आने में लगने वाले समय को मापने की तकनीक है। लिडार शब्द लाइट डिटेक्शन और रेंजिंग से लिया गया है। लंबी दूरी तक इंटरनेट पहुँचाने के लिये पारंपरिक केबलों की बजाय लेजर लाइट बीम का प्रयोग किया जाता है। अत: कथन 1 सही है।
- लिडार का उपयोग दो लेजरों का उपयोग करके भूमि के पास उथले क्षेत्रों में समुद्र की गहराई को निर्धारित करने के लिये भी किया जा सकता है। यह पराबैंगनी दृश्य तथा निकट-अवरक्त तरंग दैर्ध्य का प्रयोग करता है। अत: कथन 2 सही है।
- इस प्रकार, विकल्प (c) सही है।

99. उत्तर : (b)

व्याख्या :

- जलवायु परिवर्तन के परिणामस्वरूप दुनिया के मानसूनी क्षेत्रों में वर्षा में वृद्धि होगी जिससे बाढ़, भूस्खलन तथा भूमि अपरदन जैसी समस्याएँ पैदा होंगी। अत: कथन 1 सही है।
- समुद्री जल स्तर पर प्रभाव-जलवायु परिवर्तन के फलस्वरूप ग्लेशियरों के पिघलने के कारण विश्व का औसत समुद्री जल स्तर इक्कीसवीं शताब्दी के अंत तक 9 से 88 सेमी. तक बढ़ने की संभावना है, जिससे दुनिया की आधी से अधिक आबादी जो समुद्र से 60 किमी. की दूरी पर रहती है, पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा। जलवायु परिवर्तन के परिणामस्वरूप भारत के उड़ीसा, आँध्र प्रदेश, तमिलनाडु, केरल कर्नाटक, महाराष्ट्र, गोवा, गुजरात और पश्चिम बंगाल राज्यों के तटीय क्षेत्र जलमग्नता के शिकार होंगे। परिणामस्वरूप आसपास के गाँवों व शहरों में 10 करोड़ से भी अधिक लोग विस्थापित होंगे जबकि समुद्र में जल स्तर की वृद्धि के परिणामस्वरूप भारत के लक्षद्वीप तथा अंडमान निकोबार द्वीपों का अस्तित्त्व समाप्त हो जाएगा। समुद्र का जल स्तर बढ़ने से मीठे जल के स्रोत दूषित होंगे परिणामस्वरूप पीने के पानी की समस्या होगी। अत: कथन 2 सही **नहीं** है।
- वर्षा पर प्रभाव- जलवायु परिवर्तन के परिणामस्वरूप दुनिया के मानसूनी क्षेत्रों में वर्षा में वृद्धि होगी जिससे बाढ़, भूस्खलन तथा भूमि अपरदन जैसी समस्याएँ पैदा होंगी। जल की गुणवत्ता में गिरावट आएगी तथा पीने योग्य जल की आपूर्ति पर गंभीर प्रभाव पड़ेंगे। जहाँ तक भारत का प्रश्न है, मध्य तथा उत्तरी भारत में कम वर्षा होगी, जबकि इसके विपरीत देश के पूर्वोत्तर तथा दक्षिण-पश्चिमी राज्यों में अधिक वर्षा होगी। परिणामस्वरूप वर्षा जल की कमी से मध्य तथा उत्तरी भारत में सूखे जैसी स्थिति होगी जबकि पूर्वोत्तर तथा दक्षिण पश्चिमी राज्यों में अधिक वर्षा के कारण बाढ़ जैसी समस्या होगी। अत: कथन 3 सही है
- जल की गुणवत्ता में गिरावट आएगी। ताजे जल की आपूर्ति पर गंभीर प्रभाव पड़ेंगे। अत: कथन 4 सही **नहीं** है।
- इस प्रकार, विकल्प (b) सही है।

100. उत्तर : (c)

व्याख्या :

- वैश्विक आकलन रिपोर्ट आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिये संयुक्त राष्ट्र कार्यालय (यूएनडीआरआर) द्वारा जारी की जाती है। अत: युग्म 1 सही सुमेलित है।
- वर्ल्ड एयर क्वालिटी रिपोर्ट IQ AIR द्वारा जारी की जाती है। अत: युग्म 2 सही सुमेलित **नहीं** है।
- द लिविंग प्लैनेट रिपोर्ट 1998 से वर्ल्ड वाइड फंड फॉर नेचर द्वारा प्रत्येक 2 वर्ष में प्रकाशित की जाती है। अत: युग्म 3 सही सुमेलित है
- संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (UNEP) वैश्विक पर्यावरण आउटलुक रिपोर्ट (Global Environment Outlook-GEO) जारी करता है। अत: युग्म 4 सही सुमेलित **नहीं** है।
- इस प्रकार, विकल्प (c) सही है।

Copyright @ Sanskriti IAS